सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 30 अक्टूबर, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-62 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

चुनावी राज्यों में सीट बंटवारे ने कांग्रेस-लेफ्ट के बीच बढ़ाया तनाव

सौरव रॉय बर्मन

सीपीआई और सीपीआई (एमएल) के महासचिवों का कहना है कि जब तक कांग्रेस अपना दृष्टिकोण नहीं बदलती, तब तक इंडिया ब्लॉक को पूरी क्षमता का एहसास नहीं हो सकता। एआईसीसी सचिव ने वादा किया कि 'सभी मुद्दे सुलझा लिए जाएंगे।'

झारखंड, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में सीटों के बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान ने कांग्रेस और वाम दलों के बीच संबंधों को काफी हद तक खराब कर दिया है। अब कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल पर यह आरोप लगा रही है कि वह सामंजस्य की भावना न दिखाकर इंडिया ब्लॉक को कमजोर कर रही है। दो प्रमुख वामपंथी दलों- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के डी. राजा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के दीपांकर भट्टाचार्य- के महासचिवों ने कहा कि जब तक कांग्रेस अपना दृष्टिकोण नहीं बदलती, विपक्षी ब्लॉक की पूरी क्षमता का दोहन नहीं किया जा सकता। झारखंड और महाराष्ट्र में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने हैं, वहीं पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे।

पश्चिम बंगाल में वामपंथी दलों और कांग्रेस ने पहले ही उम्मीदवारों की अलग-अलग सूची की घोषणा कर दी है, जिससे 2024 के लोकसभा चुनावों के वक्त जो चीज पर्दे के पीछे थी वह सामने आ गई है। झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस ने सीपीआई के साथ कोई भी सीट साझा करने से इनकार कर दिया है, जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) या सीपीआई (एम) ने अपने दम पर नौ सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। सीपीआई (एमएल) एकमात्र वामपंथी पार्टी है जो इंडिया ब्लॉक के छत के तले चुनाव लड़ रही है, लेकिन उसे दी जा रही सीटों की संख्या से वह नाराज है।

भट्टाचार्य ने कहा, 'बड़े हितों के लिए हम इंडिया ब्लॉक का हिस्सा बने रहेंगे, लेकिन जिस तरह से जेएमएम और कांग्रेस ने सीट बंटवारे को संभाला है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। यहां तक कि आरजेडी (इंडिया ब्लॉक की सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल) भी खुश नहीं है। वे हमें चार सीटें दे रहे हैं। लेकिन ऐसी ही एक सीट धनवार में जेएमएम ने यह कहते हुए उम्मीदवार खड़ा किया है कि यह दोस्ताना मुकाबला होगा। उनकी अपनी मजबूरियां हो सकती हैं, लेकिन हमारी भी अपनी मजबूरियां हैं। हम पांच सीटों पर उम्मीदवार उतार सकते हैं।' धनवार में सीपीआई (एमएल) का मजबूत आधार है। पार्टी ने 2014 के विधानसभा चुनावों में यह सीट जीती थी और 2019 में भाजपा से तीसरे स्थान पर रही थी।

भट्टाचार्य ने कहा कि हजारीबाग, पलामू, रांची, मानभूम और सिंहभूम पठारों वाले छोटा नागपुर संभाग में कम से कम आठ सीटों पर भाकपा (माले) को चुनाव लड़ने की अनुमति देकर इंडिया ब्लॉक को लाभ हो सकता था। राजा ने कहा कि कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उनसे 'सामान्य तौर पर' कहा था कि वह पार्टी के राज्य नेतृत्व को भाकपा को साथ लेकर चलने का निर्देश देंगे। राजा ने कहा, 'लेकिन झारखंड में भी हरियाणा की तरह ही बातचीत विफल रही है। कांग्रेस को यह नहीं भूलना चाहिए कि सिर्फ एक पार्टी से भारत का निर्माण नहीं होता। गठबंधन शब्द नाम में ही है। पार्टियां एक साथ हैं क्योंकि वे कुछ सिद्धांतों को साझा करती हैं।'

भट्टाचार्य ने कहा कि कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि गठबंधन सिर्फ सीटों के बंटवारे के बारे में नहीं है, बल्कि संयुक्त कैंपेन चलाने के बारे में भी है। उन्होंने तर्क दिया कि हरियाणा में कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि वह ऐसा कैंपेन तैयार करने में असमर्थ रही जो न सिर्फ उसकी आवाज को बल्कि सहयोगियों की आवाज को भी दर्शाता हो। कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी के बावजूद भाजपा ने इस महीने हरियाणा में लगातार तीसरी बार जीत हासिल की।

भट्टाचार्य ने कहा, 'साथ ही, याद रखें कि झारखंड में सिर्फ़ आदिवासी ही नहीं हैं। यहाँ एक बड़ा मज़दूर वर्ग है, ख़ास तौर पर उन इलाकों में जहाँ मैंने ज़िक्र किया, जहाँ वामपंथी लोकप्रिय हैं। बिहार में भी लोगों को हमारी ताकत का एहसास चुनावों के बाद ही हुआ। अगर हमारी क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं किया गया, तो इंडिया ब्लॉक एक अधूरा विचार बनकर रह जाएगा।'

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव (झारखंड) डॉ. सिरिवेल्ला प्रसाद ने कहा कि वामपंथियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को सुलझाया जाएगा और 'चीजें आसानी से सुलझ जाएंगी। प्रसाद ने कहा, 'इसका उद्देश्य गठबंधन की सत्ता में वापसी सुनिश्चित करना है। सभी मुद्दों का समाधान किया जाएगा।'

राजा और भट्टाचार्य, सीपीआई (एम) महासचिव सीताराम येचुरी के साथ, जिनका पिछले महीने निधन हो गया, जून 2023 से पटना में शुरू होने वाली इंडिया ब्लॉक की सभी संयुक्त बैठकों में नियमित रूप से शामिल रहे हैं। राहुल गांधी और सोनिया गांधी के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों के कारण येचुरी को कांग्रेस और वाम दलों को एक साथ जोड़ने वाले गोंद के रूप में देखा जाता था। हालांकि, राजा ने कहा कि यह धारणा कि लोकसभा चुनावों तक इंडिया ब्लॉक में वामपंथी दलों को मान्यता दी गई थी, तथ्यों से मेल नहीं खाती।

राजा ने कहा, 'केवल तमिलनाडु और कुछ हद तक बिहार में समन्वय था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने राजनीतिक समझ और परिपक्वता का परिचय दिया और इसका नतीजा 100 प्रतिशत रहा। अगर कहीं और सहयोग होता, तो कौन जानता है, इंडिया ब्लॉक भी सरकार बना सकता था।'

महाराष्ट्र में, सीपीआई को एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के कोटे से महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में एक सीट मिलने की उम्मीद है। झारखंड में लोकसभा चुनाव के दौरान भी सीपीआई (एमएल) को छोड़कर वामपंथी दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। सीपीआई (एम) के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पार्टी ने झारखंड में जेएमएम-कांग्रेस से सीटें नहीं मांगी हैं, लेकिन महाराष्ट्र में एमवीए के तहत दो निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की संभावना है। हरियाणा में सीपीआई (एम) को चुनाव लड़ने के लिए एक सीट दी गई। सीपीआई (एम) नेता सुभाषिनी अली ने इस सप्ताह की शुरुआत में एएनआई से कहा था कि 'कांग्रेस को अपनी क्षमता से ज़्यादा सीटें मांगने की आदत है।'

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

एमपी में बढ़ीं एमबीबीएस की 300 सीटें

- पीएम मोदी ने तीन मेडिकल कॉलेज समेत पांच नर्सिंग कॉलेज का वर्चुअली लोकार्पण और भूमिपूजन किया
- नीमच-सिवनी -मंदसौर मेडिकल कॉलेज में 100-100 एमबीबीएस सीटें
- सीएम मोहन यादव ने मंदसौर में मेडिकल कॉलेज के लोकार्पण समारोह में पहुंचे बच्चों को पटाखे बांटे

अब 65 साल में रिटायर होंगे आयुर्वेदिक डॉक्टर : सीएम यादव

मंदसौर (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के तीन मेडिकल कॉलेज समेत पांच नर्सिंग कॉलेज का वर्चुअली लोकार्पण और भूमिपूजन किया। ये मेडिकल कॉलेज- मंदसौर, नीमच और सिवनी में खोले गए हैं। तीनों मेडिकल कॉलेज में 100-100 एमबीबीएस सीटें हैं। प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) से लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े। सीएम डॉ. मोहन यादव ने धन्वंतरि जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में आयुर्वेदिक डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र 65 साल करने की घोषणा की।

पीएम बोले- हम देश की जनता को महंगे इलाज के बोझ से निकालकर रहेंगे। इसके लिए देशभर में 2 लाख से ज्यादा आरोग्य मंदिर खोले गए हैं, जहां कैंसर जैसी बीमारियों की भी जांच हो रही है।

- **देश में पहला राज्य जहां एयर एम्बुलेंस भेजेंगे:** सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा, देश में पहला राज्य मध्यप्रदेश है, जहां मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए हवाई जहाज भेजेंगे। जहां हवाई पट्टी है, वहां ऐसा करेंगे। जहां हवाई पट्टी नहीं है, वहां एयर एम्बुलेंस से डॉक्टरों की टीम भेजेंगे।
- **नीमच से झालावाड़ तक की सड़क फोर लेन होगी:** मध्यप्रदेश में मुख्य कार्यक्रम मंदसौर में हुआ। यहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद रहे। उन्होंने मध्यप्रदेश के 512 आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों को वर्चुअली नियुक्ति पत्र सौंपे। मंदसौर से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नीमच पहुंचे थे। यहां उन्होंने नीमच से झालावाड़ फोर लेन बनाने की घोषणा की थी।

मध्यप्रदेश समेत 18 राज्यों में हेल्थ प्रोजेक्ट लॉन्च

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस पर देशभर में 12,850 करोड़ के हेल्थ प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इस दौरान आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के कवरेज को विस्तार दिया गया। इसके तहत 70 साल और उससे ज्यादा उम्र के सीनियर सिटीजन को 5 लाख रुपए का मुफ्त इलाज मिलेगा। मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, बिहार समेत 18 राज्यों में हेल्थ प्रोजेक्ट्स लॉन्च हुए। इसके साथ पीएम ने ऋषिकेश एम्स से देश की पहली एयर एंबुलेंस संजीवनी की शुरुआत भी की।

एमपी में आयुर्वेद डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र अब 65 साल

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- आयुर्वेदिक चिकित्सकों के रिटायरमेंट की उम्र 62 साल से बढ़ाकर एलोपैथी डॉक्टरों की तरह 65 साल होगी। आज मंदसौर और नीमच को मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज की सौगात मिली। 512 आयुर्वेदिक चिकित्सकों की आज नियुक्ति की है। 11 आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज खुलने वाले हैं। इनमें से पांच मेडिकल कॉलेज इसी सत्र में खुलेंगे। छह अगले सत्र में शुरू होंगे। अब सभी तरह के 57 मेडिकल कॉलेज एमपी में हो रहे हैं।

नीमच-मंदसौर में होगी हार्टीकल्चर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

सीएम ने कहा- मंदसौर में अफीम और डोडा-चूरा के माध्यम से काले सोने की खेती होती है। जो कोई नहीं कर सकता वो नीमच-मंदसौर करता है। अश्वगंधा, मूसली जैसी उपज होती है। आने वाले दिनों में नीमच-मंदसौर में हार्टीकल्चर के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव करेंगे, ताकि औषधियों की खेती करने वाले किसानों को उपज के सही दाम मिल सकें। सीएम ने मंदसौर, सीतामऊ, सुवासरा फोरलेन रोड बनाने की भी घोषणा की।

औद्योगिक निवेश के लिए प्रदेश में चलाया जा रहा है अभियान : मुख्यमंत्री

- नीमच की औषधीय फसलों को जोड़ा जा रहा है पतंजलि योगपीठ से

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक निवेश के लिए प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है। नीमच, एशिया में औषधीय फसलों की सबसे बडी मण्डी है। यहाँ की औषधीय फसलों को योग गुरू बाबा रामदेव के पतंजलि योग पीठ से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को नीमच में वीरेन्द्र कुमार सखलेचा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के

लोकार्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल एवं महिला, बाल विकास तथा जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक नीमच श्री दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिह चौहान, श्री पवन पाटीदार, न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा एवं जनपदों एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष, जन-प्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे।

नीमच के मेडिकल कॉलेज में किया छात्र-छात्राओं से संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धनवंतरी जयंती के अवसर पर नीमच के वीरेन्द्र कुमार सखलेचा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में नवप्रवेशी चिकित्सा छात्र-छात्राओं और मेडिकल कॉलेज के स्टॉफ से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं राज्य सरकार निरंतर देश एवं प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने एवं चिकित्सा सेवाओं की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में 17 मेडिकल कॉलेज थे, आज 3 नये मेडिकल कॉलेजों की सौगात प्रदेश को प्रधानमंत्री श्री मोदी से मिली है।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

वह मिला आज कल परसों नरसों तरसों
हंसता ही हंसता जाता था
मैं पीछे हटता था वह आगे आगे
धंसता ही धंसता आता था
जैसे बरखा का जल
छाता होते भी
भीना करता ही जाता था
जैसे धुंआ भी मन की सुलगन का
उठता ही जाता था
मैं रो न सकूं वह
रूला रूला तड़पाने को
तय करके आता था
दवा जो मांगो
अनदेखी का थप्पड़ सीधा
जड़ता ही आता था
वह ढीठ
और हठ अपना भी
संग चलता आता था
हम दोनों ही निरे अज्ञ
वह मेरे मैं उसके
चंगुल में फंसता आता था
वह बाहर आ जाता था
जैसे फिल्म पूरी होने पर
समुदाय पूरा उठकर बाहर
आता था
मैं मूरख ही भौचक्का
भीतर रह जाता था।

- सुधीर मोता

राजस्थान में बस हादसा 12 की मौत

सीकर (एजेंसी)। राजस्थान में सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ में निजी बस पुलिया से टकरा गई। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। 35 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए लक्ष्मणगढ़ और सीकर के अस्पताल ले जाया गया। 7 की हालत गंभीर होने पर जयपुर रेफर किया गया।

हादसा लक्ष्मणगढ़ में पुलिया के नजदीक मंगलवार दोपहर 2 बजे के करीब हुआ। बस सालासर से नवलगढ़ जा रही थी। हादसा सालासर से 68 किमी दूर हुआ। बस को लक्ष्मणगढ़ पुलिया से बायीं तरह से जयपुर-बीकानेर रोड की ओर जाना था। तेज रफ्तार में होने के कारण बस पूरी तरह घूम नहीं सकी और सीधे पुलिया से टकरा गई। बस का आगे का 3 से 4 फीट का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस पुलिया की दीवार से टकराई और ड्राइवर साइड का पूरा हिस्सा चकनाचूर हो गया। टक्कर के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद लोगों की भीड़ जुट गई और एक-एक कर सभी को नजदीकी लक्ष्मणगढ़ सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया।

25 लाख दीप होंगे प्रज्वलित, अद्भुत दिखेंगे नजारे

राम नगरी में ऐतिहासिक भव्यता के होंगे अलौकिक दर्शन

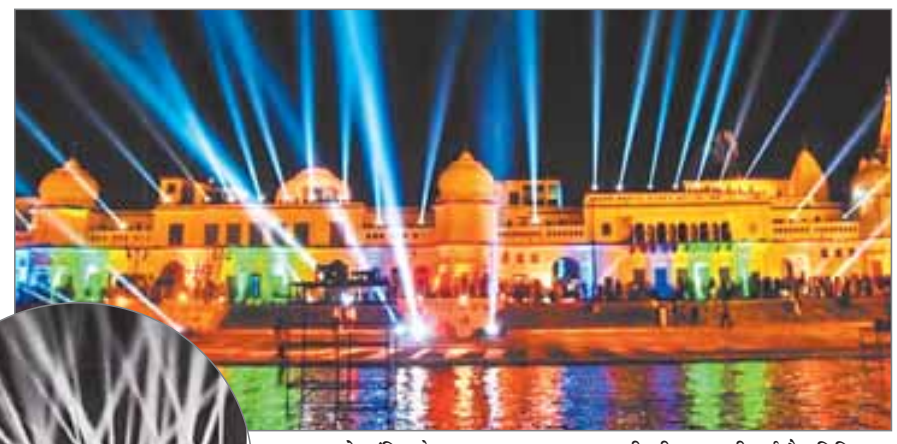

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या भव्य-दिव्य दीपोत्सव के लिए सज-धजकर तैयार हो चुकी है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद होने वाला पहला दीपोत्सव कई मायनों में खास होने वाला है। सरयू नदी के 55 घाटों पर 28 लाख दीये बिछाए जा चुके हैं। इस साल 25 लाख दीपक प्रज्वलित कर विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना है। वहीं पूरे अयोध्या की बात करें तो करीब 35 लाख से ज्यादा दीये जलाने के आसार है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को फूलों से सजाया जाएगा। मंदिर परिसर को कई खंडों और उपखंडों में बांटा गया है और सजावट का काम दिया गया है। बिहार कैडर से रिटायर्ड आईजी आशु शुक्ला को मंदिर के हर एक कोने को सही तरीके से रोशन करने, सभी एंट्री गेटों को तोरण से सजाने की जिम्मेदारी दी गई है। इसकी वजह से सभी भक्त मनोहरी फूलों और दीयों से सजे मंदिर के दिव्य दर्शन कर सकेंगे। रामकथा पार्कमें रामदरबार सजकर तैयार हो गया है। 90 फीट लंबे रामदरबार की सजावट राजमहल की थीम पर की गई है। डिजिटल तरीके से दरबार के पीछे पूरे दृश्य दिखाने की प्लानिंग है। रामदरबार के बिल्कुल सामने ही साधु और संतों के बैठने के लिए मंच बनाया गया है। लेजर शो और प्रोजेक्शन मैपिंग की रिहर्सल हुई तो लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पीएम मोदी कहा कि 500 सालों में पहली बार भगवान राम अयोध्या में दीवाली त्योहार मनाएंगे। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कहा, 'दो दिन बाद हम दीवाली भी मनाएंगे और इस साल की दीवाली बहुत खास है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c

न्यूनतम 20°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 30 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी लद्दाख में चीन से 35 किमी दूर सबसे ऊंचा एयरफील्ड

न्योमा (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ पांच साल से जारी तनाव अब खत्म होने लगा है, लेकिन इस दौरान भारत ने उस सुदूर इलाके में कई अहम प्रोजेक्ट लगभग पूरे कर लिए हैं। इन्हीं में से एक है देश का सबसे ऊंचाई पर एयरफील्ड, जो इन दिनों पूर्वी लद्दाख के न्योमा उपखंड के मुद गांव में 13,700 फीट (4175.76 मी.) ऊपर आकार ले रहा है। इसके 3 किमी लंबे रनवे का काम 95 फीसदी पूरा हो चुका है। इसका काम पूरा होते ही अगले साल एयरफील्ड सेना के लिए शुरू हो जाएगा।

प्रोजेक्ट हिमांक के तहत सेना की बॉर्डर रोड्स टास्क फोर्स टीम माइनस 4 डिग्री तापमान में काम कर रही है। कमांडर कर्नल पोनुंग डोमिंग के मुताबिक यह देश का सबसे ऊंचा हवाई अड्डा होगा, जो एलएसी से सिर्फ 35 किमी, तो लद्दाख से 200 किमी दूर है। 2 दिन नहीं, 2 घंटे में बॉर्डर पहुंचेंगे। भारी हथियार 15300 फीट ऊपर हानले में टास्क फोर्स का नेतृत्व कर रहीं कर्नल डोमिंग ने बताया कि पिछले साल सितंबर में इस एयरफील्ड की आधारशिला रखी गई थी। इसे केसीसी बिल्डकॉन प्राइवेट लि. बना रही है। लागत 218 करोड़ रु. है। अभी 250 मजदूर माइनस 4 डिग्री में भी काम कर रहे हैं।

हिजबुल्लाह ने नईम कासिम को बनाया नया चीफ

बेरूत (एजेंसी)। इजराइली हमले में हसन नसरल्लाह की मौत के 32 दिन बाद हिजबुल्लाह ने नए चीफ की घोषणा की है। डिप्टी लीडर नईम कासिम को मंगलवार को संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई। हिजबुल्लाह की तरफ से जारी किए बयान में कहा गया है कि कासिम को इस पद के लिए चुना है, क्योंकि उन्होंने संगठन के उसूलों का हमेशा पालन किया है। अल्लाह उन्हें अपने मिशन में कामयाब होने का रास्ता दिखाए। कासिम संगठन में अब तक नंबर 2 की पोजिशन पर

था। नसरल्लाह की मौत के बाद कासिम ने ही लेबनान की जनता को संबोधित किया था। मीडिया हाउस इरेम न्यूज के मुताबिक वह ईरान में रह रहा है। कासिम ने 5 अक्टूबर को बेरूत छोड़ दिया था। उसे ईरान के विदेश मंत्री के विमान से ले जाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के नेताओं ने इजराइल के डर से कासिम को निकालने का आदेश दिया था। हिजबुल्लाह चीफ बनने की रेस में नईम से पहले हाशेम सैफिद्दीन का नाम आगे चल रहा था, जो नसरल्लाह का ममेरा भाई था। हालांकि, इजराइली एयरस्ट्राइक में उसे भी मार डाला गया। उसकी मौत की पुष्टि खुद नेतन्याहू ने की थी।

धनतेरस पर सेना ने 'अखनूर' का लिया बदला

गाड़ी पर हमला करने वाले 3 आतंकी 24 घंटे में ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में मंगलवार सुबह शुरू हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक और आतंकवादी को मार गिराया है। सोमवार से जारी इस सर्च ऑपरेशन में सेना ने हमले में शामिल तीनों आतंकवादियों को मार कर बदला पूरा कर लिया है। इससे पहले अखनूर सेक्टर के एक गांव में मंगलवार सुबह फिर से मुठभेड़ शुरू हुई थी। सुरक्षा बलों ने इलाके में छिपे दो आतंकवादियों के खिलाफ यह ऑपरेशन शुरू किया था। आतंकवादियों ने सोमवार सुबह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सेना के काफिले में शामिल एंबुलेंस पर हमला करने की कोशिश की थी। हालांकि सेना ने इस हमले को नाकाम कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें शक है कि आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। खबरों के मुताबिक इस हमले में तीन आतंकवादी शामिल थे। इसके बाद विशेष बलों और

एनएसजी कमांडो ने तलाशी अभियान चलाया था। इस अभियान में सोमवार शाम को एक आतंकवादी मारा गया था। अपने मंसूबे नाकाम होने के बाद आतंकवादी खौर के जोगवान गांव में असन मंदिर के पास जा छिपे थे। तीनों आतंकवादी पिछली रात सीमा पार से भारत में घुसे थे। उन्होंने सुबह करीब 6.30 बजे सेना के काफिले पर एक एम्बुलेंस को निशाना बनाकर गोलीबारी की थी। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर तीनों आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया, रात भर चौबीस घंटे से जारी अभियान के बाद आज सुबह भीषण गोलीबारी हुई। हमारे बलों को एक महत्वपूर्ण जीत मिली है।

70+वाले 'बुजुर्गों' को बड़ा तोहफा

● आयुष्मान योजना से 6 करोड़ बुजुर्गों को होगा फायदा ● पीएम मोदी बोले-अफसोस इसमें दिल्ली व बंगाल नहीं

पीएम बोले-आज से सभी का 5 लाख तक का होगा मुफ्त इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को धनतेरस और 9वें आयुर्वेद दिवस पर 70 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों के लिए 5 लाख रुपए का मुफ्त इलाज की सुविधा लॉन्च की। इसके तहत देश के 6 करोड़ बुजुर्गों को फायदा मिलेगा। दरअसल, केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को विस्तार दिया और इसमें बुजुर्गों को शामिल किया है। इस दौरान दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में मोदी ने सीनियर सिटीजन को आयुष्मान वय वंदन कार्ड सौंपा। पीएम ने कहा, मैं दिल्ली और बंगाल के 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों

से क्षमा मांगता हूं कि उनकी सेवा नहीं कर पाऊंगा। आपको कष्ट होगा, लेकिन मैं मदद नहीं कर पाऊंगा। कारण-दिल्ली और बंगाल की सरकार इस योजना से नहीं जुड़ रही है। माफी मांगता हूं कि देशवासियों की सेवा कर पा रहा हूं, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ दिल्ली-बंगाल में सेवा नहीं करने दे रहा। मेरे दिल में कितना दर्द होता होगा, मैं शब्दों में बयां नहीं कर पाऊंगा। पीएम ने 12,850 करोड़ के हेल्थ प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन किया मोदी ने 29 अक्टूबर को 12,850 करोड़ के हेल्थ प्रोजेक्ट्स उद्घाटन किया।

● **बीमारी का मतलब परिवार पर बिजली गिरना होता था-** हममें से अधिकतर लोग उस पृष्ठ भूमि से हैं, जहां बीमारी का मतलब पूरे परिवार पर बिजली गिरना होता है। गरीब के घर में कोई एक बीमार होता है तो असर घर के हर सदस्य पर पड़ता है। एक समय था जब इलाज में लोगों को घर, जमीन, गहने बेचने पड़ते थे। इलाज का खर्च सुनकर ही गरीब की आत्मा कांप जाती थी। बुजुर्ग मां सोचती थी कि अपना इलाज कराऊं या नाती-पोते की पढ़ाई। गरीब परिवार के बड़े-बुजुर्गों को चुपचाप तकलीफ सहने का रास्ता दिखाई देता था। पैसे की कमी की वजह से इलाज न करा पाने की बेबसी गरीब को तोड़कर रख देती थी।

● **आयुष्मान योजना से 4 करोड़ गरीबों को फायदा-** देश में लगभग 4 करोड़ गरीबों ने इस योजना का लाभ उठाया है। ये 4 करोड़ गरीब अस्पताल में भर्ती हुए इनमें से कुछ को अलग-अलग बीमारियों के लिए इलाज कराया। इन्हें एक भी रुपया खर्च नहीं करना पड़ा। आयुष्मान योजना न होती तो गरीबों को करीब-करीब सवा लाख करोड़ रुपए अपनी जेब से देने होते। मैं इस योजना के लाभार्थियों से मिलता हूं, उनका सुख-दुख जानता हूं। उनकी आंखों में से जो खुशी के आंसू छलकते हैं, वो इस योजना से जुड़े हर व्यक्ति, डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं होते। इससे बड़ा आशीर्वाद क्या होगा। ऐसी योजना पहले कभी नहीं मिली।

जानलेवा बीमारियों से बचा रहा मिशन इंद्रधनुष

हमने स्टेन्ट और घुटना प्रत्यारोपण उपकरणों को सस्ता किया। ये न किया होता तो लोगों को 80 हजार करोड़ रुपए ज्यादा खर्च करना पड़ता। ये रुपए बच गए। मुफ्त डायलिसिस योजना से भी लाखों करोड़ रुपए का खर्च बचा है। जानलेवा बीमारियों से रोकथाम के लिए मिशन इंद्रधनुष चल रहा है। गर्भवती महिलाओं की जिंदगी बच रही है, नवजात बच रहे हैं। वे गंभीर बीमारियों की चपेट में आने से भी बच रहे हैं। आज इन मंदिरों पर करोड़ों लोगों की कैंसर, बीपी, डायबिटीज जैसी बीमारियों की जांच हो पा रही है। लोगों का इलाज भी समय पर शुरू हो रहा है। स्वास्थ्य में तकनीक का इस्तेमाल भी कारगर है। ई-संजीवनी योजना के तहत 30 करोड़ लोग मान्य डॉक्टरों से ऑनलाइन परामर्श ले चुके हैं। मुफ्त परामर्श से पैसे बचे।

नई सीटों के साथ होगा अगला लोकसभा चुनाव!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने अगले साल ही जनगणना करवाने का फैसला कर लिया है। वहीं जनगणना की प्रक्रिया 2026 तक पूरी कर ली जाएगी। हालांकि अब तक यह नहीं स्पष्ट है कि जातिगत जनगणना होगी या नहीं। विपक्षी दलों के साथ एनडीए के भी कई सहयोगी दल लंबे समय से जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं। यहां तक कि आरएसएस ने भी कहा है कि देश में जातियों की जानकारी भी सामने आना जरूरी है। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जगनणना के बाद सरकार परिसीमन की प्रक्रिया भी शुरू करेगी। इसके बाद लोकसभा सीटों का दोबारा बंटवारा किया जाएगा।

वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया के बाद महिला आरक्षण कानून को लागू किया जाएगा। 2022 में अटल बिहारी वाजपेयी ने परिसीमन की प्रक्रिया को 25 साल के लिए टाल दिया था। उनका कहना था कि 2026 के बाद होने वाली जनगणना के आंकड़े जारी होने के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होगी। ऐसे में 2031 के बाद परिसीमन होना था। हालांकि मौजूदा सरकार परिसीमन की प्रक्रिया 2027 में ही शुरू करना चाह रही है। वहीं यह काम एक साल में ही पूरा हो जाएगा। 2029 के लोकसभा चुनाव में परिसीमन के बाद करवाए जाएंगे।

हाल ही में जनगणना आयुक्त और रजिस्ट्रार जनरल मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल बढ़ाकर अगस्त 2026 तक कर दिया गया है। परिसीमन के साथ भी अपनी समस्याएं हैं। दक्षिण को चिंता है कि इससे संसद में उसका प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। उत्तर में जनसंख्या ज्यादा है ऐसे में परिसीमन के बाद लोकसभा सीटें भी ज्यादा हो सकती हैं।

गांदरबल अटैक में आतंकियों को मिला था लोकल सपोर्ट

● हमलावरों को गाड़ी भी दी,उन्हें पता था कैंप में गार्ड के पास हथियार नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) को जम्मू-कश्मीर के गांदरबल अटैक केस में अहम जानकारियां मिली हैं। एनआईए ने मंगलवार को बताया कि इस हमले के लिए आतंकवादियों को लोकल सपोर्ट मिला था। गांदरबल के गगनगीरल इलाके में 20 अक्टूबर की रात आतंकवादियों ने मजदूरों के कैंप पर हमला किया था। इस हमले में बड़गाम के डॉक्टर शहनवाज समेत बिहार और पंजाब के 6 मजदूरों की मौत हो गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। गांदरबल अटैक पर नई जानकारी एनआईए ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और हमले में बचे लोगों से बातचीत की।

न्याय यात्रा से दिल्ली फतह करने की तैयारी में कांग्रेस

● कांग्रेस पार्टी 'दिल्ली न्याय यात्रा' का आयोजन करने जा रही है

● यह यात्रा राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' की तर्ज पर होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। दिल्ली के लोगों से जुड़ने और उनकी समस्याओं को समझने के लिए अगले महीने दिल्ली न्याय यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर होगी। 8 नवंबर को राजघाट से शुरू होकर यह यात्रा सभी विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी और 4 दिसंबर को समाप्त होगी। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव इस यात्रा का नेतृत्व

करेंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी इसके पहले चरण में शामिल हो सकते हैं। संविधान क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में देवेंद्र यादव ने बताया कि दिल्ली न्याय यात्रा के चार चरण होंगे। इस यात्रा के दौरान हम दिल्ली के लोगों से बातचीत करेंगे और पिछले 10 सालों से वे किन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उसे समझेंगे। पहले चरण में हम चांदनी चौक से शुरू करेंगे।

मणिपुर में पिछले एक साल में 1480 हथियार बरामद

● असम राइफल्स ने बताया-426 इंटेलीजेंस ऑपरेशंस में करीब 130 बंकर किए तबाह

इम्फाल (एजेंसी)। बीते एक साल में असम राइफल्स ने मणिपुर में 426 इंटेलीजेंस ऑपरेशंस में 1480 हथियार बरामद किए। भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय, कोलकाता में एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान उग्रवादियों के कई ठिकाने भी तबाह किए गए। सेना ने बताया कि मैतेई समुदाय के वर्चस्व वाली इम्फाल घाटी में 220 इंटेलीजेंस ऑपरेशंस चलाए गए।

वहीं, कुकी समुदाय के दबदबे वाले मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में 206 ऑपरेशन हुए। इस दौरान इम्फाल घाटी से 550 और पहाड़ी इलाकों से 930 हथियार बरामद हुए। साथ ही, इम्फाल घाटी में 51 और पहाड़ी इलाकों में 78 बंकर भी नष्ट किए गए। इसी क्रम में मणिपुर पुलिस ने जानकारी दी कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को बिष्णुपुर जिले के उयुंगमाखोंग से कई हथियार बरामद किए।

शरीयत काउंसिल कोई अदालत नहीं, यह सिर्फ प्राइवेट संस्था

● मद्रास हाईकोर्ट बोला-इसे ट्रिपल तलाक केस में डिवोर्स सर्टिफिकेट देने का हक नहीं

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने सोमवार को ट्रिपल तलाक मामले से जुड़ी सिविल रिवीजन पिटीशन खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने कहा- शरियत काउंसिल कोई अदालत नहीं है। यह एक प्राइवेट संस्था है। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन ने कहा- यह काउंसिल पारिवारिक और आर्थिक दिक्कतों को दूर करने में मदद कर सकती है, लेकिन तलाक सर्टिफिकेट जारी करने और पेनाल्टी लगाने का हक काउंसिल को नहीं है। मामला मुस्लिम कपल के तलाक से जुड़ा है। इन्होंने 2010 में शादी की थी।

अनुसूचित जातियों को कोटे में कोटा देगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने सोमवार को राज्य में अनुसूचित जाति को कोटे के अंदर कोटा देने की मंजूरी दे दी। यानी अब राज्य में एससी समुदाय को मिलने वाले रिजर्वेशन के अंदर कुछ उपजातियों को भी रिजर्वेशन दिया जाएगा। सिद्धारमैया कैबिनेट ने इसका डेटा जुटाने के लिए एक आयोग बनाने का फैसला भी लिया गया है। अनुसूचित जातियां ही इसकी मांग कर रही थीं। जातियों का एक वर्ग आरोप लगाता है कि कुछ रसूखदार उपजातियों को ही रिजर्वेशन का फायदा मिलता है।

अगले साल रोबोट, 2026 में इंसान भेजेगा इसरो

अंतरिक्ष को लेकर अगले 15 साल का रोडमैप किया तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अगले 15 साल तक का पूरा रोडमैप तैयार कर लिया है। इसके लिए उसने साल 2040 तक स्पेस मिशन का कैलंडर तैयार किया है। इससे भारत के स्पेस मिशन से जुड़ी कई जानकारियां सामने आई हैं। इसी दिशा में अगले तीन महीनों में गगनयान मिशन का पहला अन-क्रू मिशन लॉन्च होने वाला है। इसकी आखिरी तैयारियां चल रही हैं। इसके बाद दो रोबोटिक गगनयान जाएंगे, जिसमें ह्यूमनॉइड रोबोट व्योममित्र भेजा जाएगा। ह्यूमनॉइड का मतलब ऐसे रोबोट से है, जो आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से इंसान जैसा

बर्ताव कर सकता है। 2025 के आखिर या 2026 की शुरुआत में एस्ट्रोनॉट्स भेजने की योजना है। गगनयान मिशन के लिए चुने गए चार एस्ट्रोनॉट्स (गगनॉट) में दो भारतीय एस्ट्रोनॉट्स तीन दिन के लिए पृथ्वी की कक्षा में परिक्रमा करेंगे। इसरो 2029 तक 3 ह्यूमन फ्लाइट भेजेगा इसरो ने पांच साल में तीन बार दो-दो भारतीय एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस में भेजने की योजना बनाई है। मिशन की सफलता के आधार पर एस्ट्रोनॉट्स और दिनों की संख्या बढ़ सकती है। पहले गगनयान मिशन के बाद 2026-27 में गगनयान की दूसरी ह्यूमन फ्लाइट और 2028-29 में तीसरी ह्यूमन फ्लाइट के जरिए एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस में भेजने की योजना है।

धनतेरस पर भोपाल-इंदौर में 2000 रजिस्ट्रियां

- सोना-चांदी के साथ तांबे-पीतल के बर्तन की डिमांड; टू व्हीलर मार्केट में 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी

भोपाल (नप्र)। धनतेरस यानी धन्वंतरि जयंती के साथ दीपोत्सव शुरू हो गया है। हर तरह की खरीदारी, निवेश और नई शुरुआत के लिए पूरे दिन शुभ मुहूर्त था। त्रिपुष्कर योग भी था। मान्यता है कि इस योग में किए कामों का 3 गुना फल मिलता है। शाम को धन्वंतरि, कुबेर और लक्ष्मी पूजा होगी। यम के लिए दीपदान भी किया गया। इंदौर में सर्राफा बाजार में चांदी की मछली और हाथी जोड़ा की डिमांड थी। वहीं, भोपाल में ऑटोमोबाइल शोरूम्स पर ग्राहकों की भीड़ लगी हुई थी। टू व्हीलर के मार्केट में पिछले साल की तुलना में 8 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई थी।

भोपाल में फैंसी ज्वेलरी, बर्तन-सिक्के की डिमांड

भोपाल के सराफा व्यापारी एसोसिएशन के प्रवक्ता नवनीत अग्रवाल ने बताया पिछले साल की तुलना में मार्केट इस साल काफी बेहतर नजर आ रहा है। शाम तक होते-होते निश्चित ही है मार्केट और तेज होगा। इस समय खास डिमांड की बात की जाए तो पूजा के बर्तन सिक्के और फैंसी ज्वेलरी की काफी डिमांड है।

बेटा-बेटी संग कुएं में कूदी मां, बच्चों की मौत

- महिला बोली- नशेले पति की मारपीट से परेशान होकर उठाया कदम

खजुराहो (नप्र)। राजनगर थाना क्षेत्र में रहने वाली 25 वर्षीय महिला पति से विवाद के बाद 2 बच्चों के साथ कुएं में कूद गई। लोगों ने जब तक तीनों को निकाला, तब तक दोनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। वहीं महिला जिंदा है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिन बच्चों की मौत हुई है, उनके नाम अंशिका (उम्र 2 साल) और कौशल (उम्र 2 माह) थे। घटना की जानकारी लगते ही थाना प्रभारी सिद्धार्थ शर्मा सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार सुबह 11 बजे की घटना है। महिला रामकली पाल ने बताया कि पति अनिल पाल शराब पीकर हमेशा मारपीट करता था। वह कहता था कि कुएं में कूदकर मर जा और बच्चों को भी मार डाल तो मैंने यह कदम उठाया। वहीं छतरपुर एडिशनल एसपी ने बताया कि महिला ने यह कदम क्यों उठाया? जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सामने आई पानी की गुणवत्ता की हकीकत

- बड़े तालाब सहित अन्य जलस्रोतों में हैवी मेटल की मात्रा में इजाफा

भोपाल (नप्र)। बड़े तालाब सहित राजधानी के जलस्रोतों के पानी में हैवी मेटल की मात्रा बढ़ती जा रही है। न केवल मूर्ति विसर्जन से बल्कि अन्य स्रोतों से भी जलस्रोतों में हैवी मेटल आ रहा है। हैवी मेटल की यह बढ़ती मात्रा इसलिए चिंताजनक है क्योंकि हमारे घरों में फिल्टर होकर सप्लाई होने वाले पानी में भी हैवी मेटल मौजूद रहते हैं। नगर निगम के फिल्टर प्लांट में पानी में से हैवी मेटल को बाहर करने की कोई व्यवस्था नहीं है। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन से जलस्रोतों में हुए प्रदूषण की जांच की अंतिम रिपोर्ट आ गई है। इसमें बड़े तालाब के प्रेमपुरा सहित छोटे तालाब, शाहपुरा तालाब और हथाईखेड़ा डेम पर बने कुल 5 विसर्जन घाटों पर हैवी मेटल की मात्रा पिछले साल की तुलना में अधिक मिली है। दरअसल, मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीपीसीबी) द्वारा जारी दो साल की रिपोर्ट के एनालिसिस में सामने आया कि बीते साल के मुकाबले इस साल हैवी मैटल का मूर्तियों में ज्यादा उपयोग किया गया है। बता दें कि हैवी मेटल्स की मात्रा बढ़ने पर किडनी और हड्डी रोगों का कारण बनती है। हैवी मेटल्स से कॉपर, मैंगनीज, क्रोमियम, जिंक जैसे हैवी मेटल मनुष्यों के लिए खतरनाक साबित होते हैं। ऐसा पानी पीने से किडनी और हड्डी रोग होने का खतरा बढ़ जाता है। यह कैंसर जनित रोगों का कारक भी बनते हैं।

हैवी मेटल्स की अधिकता खतरनाक

जिंक- जिंक शरीर में जाने से पाचन तंत्र को प्रभावित करता है और इसमें पेट दर्द, और उल्टी की समस्या हो सकती है।

कॉपर- कॉपर के बढ़ते स्तर से लीवर और किडनी की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसका लंबे समय तक सेवन शरीर में कॉपर विषाक्तता का कारण बन सकता है।

लेड- लेड का ज्यादा मात्रा में शरीर में प्रवेश करने से बच्चों में मानसिक विकास प्रभावित हो सकता है और वयस्कों में उच्च रक्तचाप और गुर्दे से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं।

मर्करी- कैंसर कारक होती है और इनके लगातार शरीर में जाने से किडनी, लीवर और अन्य अंगों में नुकसान पहुंच सकता है।

सरदार पटेल के उद्दात और विराट व्यक्तित्व को समाज में पुर्नस्थापित कर रही है रन फॉर यूनिटी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने रन फॉर यूनिटी को झंडी दिखाकर किया रवाना

- सरदार पटेल ने रियासतों का विलय कराकर देश को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया
- मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

- प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर आरंभ 'रन फॉर यूनिटी' देश की एकता, स्वास्थ्य और फिटनेस के संकल्प को दर्शाती है
- लौह पुरूष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर टी.टी. नगर स्टेडियम में हुआ कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता, स्वास्थ्य और फिटनेस के संकल्प को दर्शाती 'रन फॉर यूनिटी' की पहल अभूतपूर्व है। स्वतंत्रता के साथ ही सरदार पटेल ने देश के स्वास्थ्य की सर्वाधिक चिंता की। विभिन्न रियासतों द्वारा अपनाए गए विपरीत विचारों के बावजूद दो साल से भी कम समय में रियासतों का विलय कराकर सरदार पटेल ने देश को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के उद्दात और विराट व्यक्तित्व को समाज में पुर्नस्थापित करने के लिए देश को 'रन फॉर यूनिटी' का विचार प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारत की अखंडता को समर्पित लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में तात्या टोपे नगर स्टेडियम में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उपस्थितजन को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे ऊर्जावान युवाओं को झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में विधायक श्री भगवान दास सबनानी, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा सहित जन-प्रतिनिधि, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे। खेल एवं युवक कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को एक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पृथक मत रखने वाले राजे-राजवाड़ों से संघर्ष किया और देश को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया।

'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम देश की एकता और अखंडता को कायम रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर है। सासंद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में विकास और जन-कल्याण की गतिविधियों के साथ ही राज्य शासन द्वारा शस्त्र पूजा और गोवर्धन पूजा जैसे आयोजनों से भारतीय सांस्कृतिक परिवेश समृद्ध हो रहा है। 'रन फॉर यूनिटी' के अंतर्गत प्रतिभागी टी.टी. नगर स्टेडियम से कमला नेहरू स्कूल, न्यू मार्केट, रोशनपुरा से होते हुए टी.टी. नगर स्टेडियम पहुंचे।

सभी राजनीतिक दल कर दें बीएलए की नियुक्ति : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह

- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक
- फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 के संबंध में दी जानकारी

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुखवीर सिंह ने मंगलवार को निर्वाचन सदन में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उन्हें फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन की सीडी भी प्रदान की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि 29 अक्टूबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया है। इसी दिन से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, वोटर आईडी कार्ड में संशोधन कराने और मृत मतदाताओं के नाम हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह प्रक्रिया 28 नवंबर 2024 तक चलेगी। आगामी 9, 10 एवं 16, 17 नवंबर 2024 को पूरे प्रदेश में विशेष कैम्प लगाकर अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश के सभी 65 हजार 15 मतदान केंद्रों पर कार्यालयीन समय में बीएलओ उपस्थित रहेंगे। प्राप्त सभी दावे आपत्तियों का 24 नवंबर तक निराकरण किया जाएगा। 6 जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। बैठक में सीईओ श्री सिंह ने सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे सभी मतदान केंद्रों के लिये अपने-अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) की नियुक्ति अवश्य कर दें। यदि बीएलए नियुक्त हैं, तो उन्हें और अधिक सक्रिय होने के लिये निर्देशित करें। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री बसंत कुर्रे, श्री विवेक श्रोतिय, भारतीय जनता पार्टी से श्री एस.एस. उप्पल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी से श्री जे.पी. धनोपिया, आम आदमी पार्टी से श्री सुमित चौहान एवं बहुजन समाज पार्टी से श्री पूर्णेंद्र अहिरवार उपस्थित रहे।

एक जनवरी 2025 को 18 साल की आयु पूरी करने वाले मतदाता सूची में नाम जुड़वाने करें आवेदनः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुखवीर सिंह ने बताया कि जो युवा 1 जनवरी 2025 को 18 साल की आयु पूरी कर रहे हैं, वे मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन कर सकते हैं। नये मतदाताओं का वोटर आईडी कार्ड स्पीड पोस्ट के जरिये आसानी से उनके घर तक पहुंच जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार की निःशुल्क सुविधाएं प्रदान की गई हैं। ऑनलाइन आवेदन वोटर हेल्पलाइन एप और के माध्यम से किया जा सकता है। ऑफलाइन आवेदन के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से संपर्क किया जा सकता है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के संबंध में किसी भी प्रकार की शंका या जानकारी के लिये निर्वाचन हेल्पलाईन के टोल फ्री नं.- 1950 में कार्यालयीन समय पर कॉल करके समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

छठ पूजा के लिए घाटों पर चेंजिंग रूम भी बनेंगे

भोपाल में निगम संवार रहा घाट; विधायक ने भी देखी तैयारियां

भोपाल (नप्र)। भोपाल में छठ पूजा के लिए घाटों पर चेंजिंग रूम भी बनाए जाएंगे। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने मंगलवार को घाटों का निरीक्षण कर तैयारियां देखीं। यहां सुरक्षा व्यवस्था भी की जाएगी। विधायक शर्मा ने संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) स्थित झूलेलाल विसर्जन घाट, बैरागढ़, नीलबड़, कोलार के विश्वकर्मा नगर, कलियासोत नदी घाट समरधा, श्रीकृष्ण पुरम घाट, हलाली डेम घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां बिजली, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के साथ चेंजिंग रूम बनाने को भी कहा। ताकि, श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त देवेंद्र चौहान, नगर यंत्री प्रमोद मालवीय, तहसीलदार सुनील वर्मा आदि मौजूद थे।

निगम संभालेगा व्यवस्था की कमान

इससे पहले महापौर मालती राय भी घाटों को संवारने और व्यवस्था करने के लिए बैठक कर चुकी हैं। छठ पूजा के चलते घाटों की साफ-सफाई की जाएगी। पूजा के बाद पूजन सामग्री को निगम का अमला इकट्ठा करेगा। ताकि, खाद बनाई जा सके। इससे पहले गणेश और दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान भी पूजन सामग्री इकट्ठा की गई थी। जिसकी खाद बनाई जा रही है।

छठ पूजा महापर्व 5 नवंबर से

भोपाल में चार दिवसीय छठ पूजा महापर्व 5 नवंबर से शुरू होगा। भोजपुरी एकता मंच के तत्वावधान में भोजपुरी पूर्वांचल समाज महापर्व मनाएगा। अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि शीतल दास की बगिया कमला पार्क पर 7 और 8 नवंबर को छठ महापर्व मनाया जाएगा।

दीपावली पर ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे व्यवसायियों, कारीगरों एवं स्व-सहायता समूहों को बाजार शुल्क से छूट

भोपाल (नप्र)। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में रेहड़ी पटरी पर व्यवसाय, पथ पर विक्रय करने वाले, छोटे व्यवसायियों, ग्रामीण कारीगरों एवं गरीब महिलाओं द्वारा संचालित स्व-सहायता समूहों को दीपावली पर्व पर निर्मित सामग्री के विक्रय के लिये पंचायत क्षेत्रों में लाने तथा विक्रय करने पर बाजार शुल्क से छूट प्रदान की गई है। इसके आदेश भी जारी कर दिए गए है। यह आदेश स्थानीय कौशल एवं उस पर आधारित स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करने के लिये जारी किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास के आदेश में लेख है कि आदेश दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में 29 अक्टूबर से 11 नवंबर (ग्यारस पर्व) तक प्रभावशील रहेगा। प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतें दीपावली के अवसर पर पथ विक्रेताओं तथा आम नागरिकों की सुविधा के लिये बाजारों की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्थाएँ तथा शौचालय इत्यादि की आवश्यक सुविधाएँ भी उपलब्ध कराएगी।

टीकमगढ़-सागर बाईपास पर दो ट्रकों की भिड़ंत

टक्कर में ड्राइवर वाहन में फंसा, डायल 100 पुलिस ने निकालकर अस्पताल में कराया भर्ती

टीकमगढ़ (नप्र)। टीकमगढ़ शहर के सागर बाईपास रोड पर मंगलवार दोपहर करीब 3.30 बजे दो ट्रकों की भिड़ंत हो गई। घटना में एक ट्रक का ड्राइवर बुरी तरह से वाहन में फंस गया। सूचना मिलते ही डायल 100 पुलिस मौके पर पहुंची। ड्राइवर को बाहर निकाला गया। एंबुलेंस को बुलाकर गंभीर रूप से घायल ड्राइवर को जिला अस्पताल रवाना किया। 108 एंबुलेंस के पायलट निजाम खान ने बताया कि आज दोपहर सागर बाईपास रोड पर एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो देखा कि दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई थी। एक ट्रक का ड्राइवर गंभीर हालत में बुरी तरह से वाहन में फंसा था। स्थानीय लोगों की मदद से उसे ट्रक से बाहर निकाला गया। पूछताछ में ड्राइवर ने अपना नाम अरुण जाटव बताया है। वह ग्वालियर का रहने वाला है। पुलिस ने तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर गंभीर हालत में ड्राइवर को जिला अस्पताल पहुंचकर भर्ती कराया। पायलट निजाम खान ने बताया कि हादसे में दूसरा ट्रक पलट गया। उसका ड्राइवर और क्लीनर मौके से फरार हो गए। डायल 100 के पायलट ने घटना की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

यूट्यूब वीडियो के खिलाफ उमा भारती ने दर्ज कराया केस

- वीडियो में दावा- लेडी आईपीएस ने पैसे लेते पूर्व सीएम को किया था गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है। यूट्यूब पर अपलोड हुए इस वीडियो में बताया गया है कि एक महिला आईपीएस नौकरानी बनकर मध्यप्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती के घर पहुंच जाती है और भ्रष्टाचार के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के निज सचिव उमेश गर्ग ने इस वीडियो को लेकर सोमवार को भोपाल क्राइम ब्रांच में एफआईआर दर्ज कराई है। क्राइम ब्रांच ने बीएनएस की धारा 336(4) और 356 (2) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। उमा भारती के निज सचिव ने अपनी शिकायत में लिखा है किसी ने जानबूझकर पूर्व सीएम की छवि धूमिल करने के मकसद से ये हरकत की है। उमा भारती की ओर से उनके निज सचिव ने यूट्यूब वीडियो को लेकर मामला दर्ज कराया है।

45 सेकेंड के वीडियो के वॉइसओवर में ये कहा गया

जिस वीडियो को लेकर क्राइम ब्रांच को शिकायत की गई है, वह 45 सेकंड का है। उसके वॉइसओवर कहा गया है कि यह एक ऐसी आईपीएस अफसर हैं, जो मुख्यमंत्री के काले कारनामे देखने उनके ही घर नौकरानी बनकर पहुंच गई। लेकिन बाद में जो हुआ उसे देखकर आप भी हैरान हो जाएंगे। 40 सेकेंड रुकिए। 2000 बैच की तेजतर्रार आईपीएस अफसर दीपा दिवाकर मौदगिल उर्फ डी रूपा जिस राज्य में होती हैं, वहां कोई भी कानून का उल्लंघन नहीं कर सकता। यह चर्चा में तब आ गईं जब इन्हें पता चला कि मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ठेकेदारों से जबरदस्ती पैसे मांग रहीं हैं। तभी रूपा जी मुख्यमंत्री के घर नौकरानी बनकर पहुंच गईं। जैसे ही उन्होंने मुख्यमंत्री को ठेकेदारों से पैसे मांगते देखा तभी रुपा जी ने अपना असली चेहरा दिखाया तो सभी के होश उड़ गए। आईपीएस अफसर डी रूपा ने मुख्यमंत्री को उनके ही घर से गिरफ्तार कर लिया। अब आप बताइए क्या हर आईपीएस ऑफिसर को अपना काम ऐसी ही ईमानदारी से करना चाहिए।

उमा के निज सचिव बोले-ये छवि खराब करने की कोशिश

उमा भारती के निज सचिव ने अपनी शिकायत में लिखा-किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा यह रील जानबूझकर, शरारतवश पूर्व सीएम और भाजपा की वरिष्ठ नेता की छवि धूमिल करने, उनकी मानहानि करने की नीयत से फोटो और वीडियो में काट-छांट कर एडिट कर तथ्यहीन जानकारी यूट्यूब पर अपलोड कर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की है।

संपादकीय

जनगणना पर अभी से सवाल

मोदी सरकार ने देश में जनगणना 2025 से कराने का फैसला कर लिया है, लेकिन इस जनगणना के राजनीतिक पहलुओं को लेकर विपक्ष और खासकर कांग्रेस परेशान है। पार्टी सवाल पूछ रही है कि आगामी जनगणना में जातिगणना होगी या नहीं? कांग्रेस को शक है कि मोदी सरकार जाति जनगणना नहीं कराएगी। जबकि सरकार ने इस बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट तौर पर नहीं कहा है। उल्टे खबरें तो ये आ रही हैं कि इस बार जनगणना के दौरान जाति गणना के साथ साथ सभी धर्मों के सम्प्रदायों के अनुयायियों की भी जानकारी एकत्रित की जाएगी। हालांकि इस बारे में अधिकृत तौर कर कुछ भी नहीं कहा गया है। अभी तक जो जानकारी सामने आई है, उसके मुतबिक देशभर में जनगणना का काम 2026 तक पूरा होगा। यह जनगणना इसलिए भी अहम है, क्योंकि जनगणना के आंकड़ों के बाद ही देश में लोकसभा और विधानसभा सीटों के परिसीमन का काम होगा। यह काम 2028 तक पूरा होने की संभावना है। माना जा रहा है कि 2029 के लोकसभा व विधानसभा चुनाव नए परिसीमन के हिसाब से होंगे। वैसे भी परिसीमन जनगणना का यह राजनीतिक पहलू है और इससे कई नेताओं और दलों के सियासी हित जुड़े हुए हैं। वैसे हर दस साल में होने वाली जनगणना इस बार कोविड के कारण पांच साल देरी से हो रही है। लेकिन इस जनगणना में किन बिंदुओं को शामिल किया जाएगा, कौन से बिंदु छोड़े जाएंगे, इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी की उत्सुकता सभी में है। कांग्रेस का कहना है कि सारा काम अपारदर्शी तरीके से किया जा रहा है। हाल में सरकार ने महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त का कार्यकाल बढ़ा दिया है। कांग्रेस ने सोमवार को इसे लेकर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर अभी भी कोई स्पष्टता नहीं है। पहला तो ये कि देश में 1951 से हर जनगणना में होती आ रही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की गणना के अलावा क्या इस नई जनगणना में देश की सभी जातियों की विस्तृत गणना शामिल होगी? भारत के संविधान के अनुसार ऐसी जाति जनगणना केंद्र सरकार की ज़िम्मेदारी है। रमेश ने पूछा कि क्या इस जनगणना का इस्तेमाल लोकसभा में प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधियों की संख्या निर्धारित करने के लिए किया जाएगा जैसा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 में प्रावधान है (जो कहता है कि ऐसे किसी पुनर्गठन का वर्ष 2026 के बाद की गई पहली जनगणना और उसके रिजल्ट का प्रकाशन आधार होगा)? क्या इससे उन राज्यों को नुक़सान होगा जो परिवार नियोजन में अग्रणी रहे हैं? ऐसे में सबसे सही यही होगा कि इन दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्पष्टता के लिए जल्द ही एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। जाहिर है कि रमेश जनगणना को और परिसीमन को लेकर उत्तर और दक्षिण की खाई को चौड़ा करना चाहते हैं। क्योंकि दक्षिण के दो राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं। कहा यह भी जा रहा है कि आगामी जनगणना में सामान्य और एससी-एसटी श्रेणियों के भीतर उप-जातियों का सर्वेक्षण शामिल हो सकता है। इसमें सामान्य, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों की संख्या भी दर्ज की जाएगी। ऐसा लगता है कि मोदी सरकार जाति जनगणना को लेकर विपक्ष को ऐन वक्त पर चौंका सकती है। वैसे भी महिला आरक्षण के पहले जाति जनगणना करानी ही होगी। उसी आधार पर महिलाओं की सीटों का आरक्षण हो सकेगा। लेकिन सरकार अभी अपने पत्ते खोलना नहीं चाहती। इसके राजनीतिक कारण भी हो सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि जाति जनगणना कराने के बाद भी क्या सरकार उसके आंकड़ों को सार्वजनिक करेगी?

दीपावली विशेष पर

अमित राव पवार
स्वतंत्र लेखक एवं स्तंभकार

अज्ञानता को ज्ञान के दीप से....!

वर्षभर की अमावस में कार्तिक माह की अमावस अधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है। हिंदू सभ्यता, संस्कृति और धर्म के सबसे बड़े त्योहारों में से एक दीपावली का पर्व इसी दिन मनाया जाता है, जो प्रतीक है, अंधकार पर प्रकाश की विजय का। अंधेरे का अपना महत्व है, और उजाले का अपना। जरूरी है, जीवन में प्रकाश के लिए रात्रि का अंधकार। और यह भी जरूरी है, उस अंधकार से निकलकर अपने भीतर का दीप जलाए..!

जनमानस में एक कहावत है, वर्षभर भारत देश में नित नये 365 दिन ही कोई न कोई पर्व, त्यौहार, उत्सव, व्रत मनाया जाता है। भारतीय लोगों व त्यौहारों का एक अटूट रिश्ता सदियों से चला आ रहा और ये सभी उत्सव समाज पर अपना गहरा और अमिट प्रभाव रखते तथा हर पर्व यहां अपनी विशेषता व विशिष्टता के साथ बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता एवं इन सभी उत्सव के पीछे एक समृद्ध इतिहास, वैज्ञानिकता, आपस मे जुड़ने के परस्पर स्नेह, पर्यावरण का संदेश भी छिपा होता है। इन्हीं में एक महत्वपूर्ण हिन्दू पर्व दीपावली का है। इस पर्व को मनाए जाने के अनेक प्रमाण हमारे ग्रंथों में मिलते तथा पांच दिनों के इस उत्सव में हर दिन का अपना एक अलग-अलग महत्व है। यह सत्य है, कि कोई भी अंधकार को थामकर चलना नहीं चाहता मानव ने सदैव प्रकाश को ही चुना। प्रत्येक मनुष्य के अंदर एक दीप की लौ जलती रहती है, ज्ञान पर जब भी अज्ञान का अंधकार छा जाता है, उसे सही ज्ञान के प्रकाश से ही दूर किया जा सकता है, अंधकार रूपी दुराचारी प्रवृत्ति जब हमारे मार्ग में बाधा उत्पन्न करती तो चारों तरफ का वातावरण अंधकारमयी हो जाता और लाख कोशिश के बावजूद उसके प्रयास कभी सफल नहीं होते आज्ञानता छाई परत को ज्ञान के प्रकाश से ही प्रवज्जलित करना संभव है। आत्म साक्षात्कार के इस त्यौहार पर अंदर की ऊर्जा को जाग्रत करना होगा और यह तभी संभव है, जब हम सत्य ज्ञान के भंडार को अपने अंदर आत्मसात करेंगे। आज से सैकडों वर्ष पूर्व जब मनुष्य के पास मनोरंजन के साधन टेलीविजन, रेडियो, मोबाइल, सिनेमाघर आदि नही थे-जब मनुष्य जीवन कार्य करते-करते निराशा के अंधकार में डूब जाता था, तब हमारे पर्व-उत्सव, त्यौहार ही जीवन में आशा के नवाचार की ज्योति संचार करते थे। वर्तमान दौर में आज मनोरंजन के अत्यधिक साधन उपलब्ध है, फिर भी लाखों-हजारों वर्षों से चले आ रहे हमारे पर्वों में कभी भी उल्लास की कमी दिखाई नहीं दी। वर्तमान युवा पीढ़ी और समाज हर पर्व को आज दुगने उत्साह-उमंग के साथ मनाते दिखाई देते है। दुनिया का एक मात्र देश भारत ही है, जहां सबसे अधिक त्यौहार मनाए जाते हैं।

वर्षभर की अमावस में कार्तिक माह की अमावस अधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है। हिंदू सभ्यता, संस्कृति और धर्म के सबसे बड़े त्योहारों में से एक दीपावली का पर्व इसी दिन मनाया जाता है, जो प्रतीक है, अंधकार पर प्रकाश की विजय का। अंधेरे का अपना महत्व है, और उजाले का अपना। जरूरी है, जीवन में प्रकाश के लिए रात्रि का अंधकार। और यह भी जरूरी है, उस अंधकार से निकलकर अपने भीतर का दीप जलाए..! 'जिस प्रकार अज्ञानता को ज्ञान के दीप से, कुबुद्धि को सद्बुद्धि के प्रकाश से, कठोरता को सरलता के उजाले से, अवगुणों को सद्गुणों की रोशनी से, दूर किया जा सकता है अर्थात दीपावली के लिए अमावस्या भी जरूरी है।' दीप का अर्थ ही यह है कि हमारा मन प्रकाशित हो उसमें हर तरह से सद्भाव हो। दीपक की सार्थकता तभी साबित होंगी जब हम अपने प्रकाश से दूसरों की जिंदगियों को रोशन करें और अंधकार में सोये हुए को दीपक की लौ से सही मार्ग बतलाए। दीपावली तमाम बदलाव के बावजूद खुशी के एक नए अवसर होने का एहसास कराती है, जबकि पूरा विश्व पिछले कुछ सालों से कोरोना महामारी की बीमारी से लड़ था। अनेक देश भुखमरी की कगार पर खड़े, विश्व के अनेक देश अपने आपसी गृहक्लेश से लड़ रहा है। ऐसे में हमारे भारत देश की संस्कृति और आध्यत्मिक ताकत ही है जो विश्व के दूसरे नंबर की आबादी होने के बावजूद आज हमारा देश स्थिर व प्रगतिशील है, और पूरे उल्लास के साथ अपने देश के अमृत काल के महोत्सव को बना रहा है। कोरोना बीमारी में हमने जो खोया हम उसको दोबारा नहीं ला पाएंगे। हमे सामूहिक प्रयास करना हैं कि प्रकाश का यह पर्व हम सबके लिए मंगलमय हो। पूरा विश्व भाईचारे के साथ इस दीपोत्सव से प्रकाशमय हो। संस्कृत से आए दीपावली शब्द का अर्थ ही है, प्रकाश की श्रंखला, जिससे पूरा जगत जगमगाए।

स्कन्दपुराण के अनुसार दीपावली पर ही भगवान शिव ने शक्ति की उनकी अर्धांगिनी होने की कामना से की गई 21 दिनों की तपस्या से प्रभावित होकर अर्द्धनारीश्वर रूप धरा था। हिन्दू समाज मे माता लक्ष्मी धन्यधान्य, कल्याण और सौंदर्य की प्रतिमा मानी जाती है। इनकी प्राप्ति के लिए दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजा अनिवार्य है। यह पर्व हर वर्ष कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। सतयुग में माता लक्ष्मी का आगमन देवताओं व राक्षसों के बीच समुंद्र मंथन के माध्यम से हुआ। वैसे हिन्दू धर्म मे हर एक त्यौहार की अपनी एक कहानी व मान्यता है। अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व 'दीपावली' उत्सव के बारे में कई कहानियॉ प्रचलित है। त्रेतायुग मे भगवान राम ने जब माता सीता को रावण का वध कर मुक्त कराया और अयोध्या अपने घर 14 वर्षों के वनवास के बाद विजय होकर लौटें उसकी खुशी के फलस्वरूप अयोध्या वासियों ने दीप जलाकर नगर सजाया था, तब से यह पर्व चला आ रहा है। कहा जाता है कि घर की लक्ष्मी घर आई !

एक और मान्यता के अनुसार वीर बलि नाम का दैत्य राजा था जिसे स्वयं ब्रम्हा ने वर स्वरूप स्वर्ग का राज्याधिकार दे दिया। सभी इंद्र, इंद्राणियों, देवताओं इत्यादि ने इस बात का विरोध किया तो राजा बलि ने सभी के साथ लक्ष्मी माता को भी बंदी बना लिया। जब इस बात का पता भगवान विष्णु को लगा तब उन्हें बड़ा क्रोध आया भगवान विष्णु अपनी पत्नी एवं सभी देवताओं को मुक्त कराने के लिए वामन अवतार (बौनारूप) लिया। भगवान ने ब्राह्मण के रूप में राजा बलि से भिक्षा में 'तीन गज' माँगें अनभिज्ञ राजा बलि ने हँसते हुए कहा कि ठीक है। तीसरे गज के पूर्व ही भगवान ने सभी को मुक्त करा लिया! पहले गज में पृथ्वी, दूसरे गज में आकाश और तीसरे गज के रूप में स्वयं बलि के सर पर पग रखा! इस घटना ने दैत्य राजा बलि का अहंकार का नाश किया। भगवान विष्णु ने फिर भी राजा बलि को रियायत देते हुए कहा कि वह प्रति वर्ष 'तीन दिन' अपने साम्राज्य में विचरण करते हुए अपनी जनता के दु:ख-दर्द, दरिद्रता, कष्ट आदि को दूर करने का प्रयास करे। यह तीन दिन है कार्तिक मास धनतेरस, चतुदर्शी और अमावस्या। धनतेरस से भाईदूज तक मनाये जाने वाला पाँच दिनी यह पर्व अपनी पाँचों दिन की अलग-अलग मान्यता बयां करता है।

अगर स्वच्छता की दृष्टि से भी देखा जाए तो इस त्यौहार का अपना अलग ही महत्व है वर्षा ऋतु के दौरान घर के रंग-रोगन पर प्रभाव पड़ता है। दीपावली पर लोग अपने मनपसंद रंग-रोगन कर घर को पुन:सुंदर एवं आकर्षक व स्वच्छ बनाते हैं। भारतीय सैनिकों के प्रति भी हमे यह त्यौहार कृतज्ञता के भाव को समझता जो दिन-रात सीमा पर पहरा देकर अपने राष्ट्र को प्रकाश दे रहे है। वर्तमान समय में हमारा

विश्व राजनीति

चेतनादित्य आलोक
लेखक पत्रकार हैं।

निरस्त्रीकरण के प्रति सभी देशों की प्रतिबद्धता जरूरी

युद्धों पर बात होती है तो स्वभावतः ही मन तनावग्रस्त हो जाता है। शायद इसलिए, क्योंकि युद्धों और उनकी विभीषिकाओं से मनुष्य का पीछा कभी नहीं छूटा। तात्पर्य यह कि वास्तव में युद्धों की धमक मानव समाज में हमेशा से रही है। उनके रूप तथा प्रभाव के स्तर भले ही समय-समय पर बदलते रहे हों, परंतु कोई भी काल अथवा क्षेत्र युद्ध से रहित रहा हो, ऐसा कभी नहीं हुआ। इन युद्धों के कारण कभी-कभी तो समूची मानव जाति ही संकट में पड़ती रही है। जरा याद कीजिए, एक सितंबर 1939 से लेकर 02 सितंबर 1945 तक चले द्वितीय विश्वयुद्ध के उस भीषण दौर को, जब दुनिया का सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध लड़ा गया था। अब तक के इतिहास के सर्वाधिक खतरनाक उस युद्ध में लगभग 85 मिलियन (850 लाख) लोग अत्यंत बेरहमी से मार दिए गए थे। उसी दौरान अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी में क्रमशः 06 अगस्त और 09 अगस्त 1945 को परमाणु बमों से अत्यंत ही भीषण हमला किया गया था। बता दें कि केवल उन दोनों परमाणु हमलों में ही अनुमानित रूप में लगभग ढाई लाख जापानी नागरिक मारे गए थे, जिनका तब दोष केवल जापानी नागरिक होना ही तो था। हालांकि, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अभी तक घोषित तौर पर तृतीय विश्वयुद्ध तो नहीं हुआ है, किंतु 1945 के बाद भी कुवैत, इराक, सीरिया, सूडान, अफगानिस्तान और लीबिया समेत दुनिया भर के कई देशों में अनेक छोटे-बड़े युद्ध होते ही रहे हैं, जिनमें लाखों लोगों की बिल्कुल वैसे ही बेरहम मौतें भी होती रही हैं।

यदि वर्तमान दौर की बात करें तो हम पाते हैं कि लगभग आधी दुनिया आज भी युद्ध की विभीषिकाओं से त्रस्त है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो आज विश्व का कोई भी महाद्वीप अथवा दुनिया का कोई भी कोना संघर्ष, युद्ध, आतंकवाद, उग्रवाद, तनाव, हिंसा आदि से मुक्त नहीं है। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दो वर्ष से भी अधिक समय हो गए हैं, ऐसे ही लगभग एक वर्ष से इस्राइल और हमास के बीच भी युद्ध जारी है... और अब इस्राइल एवं ईरान के बीच उत्पन्न हो चुकीं भीषण टकराव की स्थितियां न केवल मध्य-पूर्व एशिया के देशों के लिए ही, बल्कि समूचे विश्व के लिए अथवा कहा जाए कि समूची मानवता के लिए गंभीर चिंता का कारण बनी हुई हैं। यह स्थिति तब है, जबकि इस्राइल द्वारा ईरान के मिसाइल हमले का प्रतिशोध लेना अभी शेष है। इसलिए यह युद्ध भीषण से भीषणतम कब बन जाए, कोई नहीं जानता। हां, यह सभी को पता है कि फिलहाल इस युद्ध की भीषणता कम तो नहीं होने वाली, क्योंकि सभी जानते हैं कि इस्राइल अपने दुश्मनों को कभी भी नहीं बख्शता। इसलिए वह ईरान पर हमले अवश्य करेगा और ईरान के हमले की तुलना में इस्राइली हमले को कमतर आंकने की भूल भी दुनिया को कतई नहीं करनी चाहिए। जाहिर है कि युद्ध का रूप और उसका प्रभाव अभी और भयावह तथा खूनी होने वाला है, जिसके लिए दुनिया को मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए।

'संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण सप्ताह' प्रत्येक वर्ष 24 से 30 अक्टूबर तक मनाया जाता है। देखा जाए तो मूलरूप से यह आयोजन निरस्त्रीकरण के महत्व के संबंध में दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने और परमाणु हथियारों एवं सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों के उन्मूलन को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है।

वैसे देखा जाए तो जैसे-जैसे युद्ध की विभीषिकाएं बढ़ती जाती हैं, वैसे-वैसे मानव मन में शांति की चाहत में भी वृद्धि होती जाती है। इसे अन्य प्रकार से कहा जाए तो दुनिया में जब-जब युद्ध का कर्कश शोर बढ़ा है, तब-तब शांति के स्नेहिल स्वर भी समवेत हुए हैं। ...और यही कारण है कि मानव मन हमेशा से शांति की तलाश करता रहा है। यह अलग बात है कि समाज में शांति कैसे स्थापित हो, इस बात पर लोगों में हमेशा से मतभेद रहा है, लेकिन इसका तात्पर्य यह तो नहीं कि शांति के प्रयासों को बंद कर दिया जाए। जाहिर है कि तमाम मतभेदों के बावजूद दुनिया भर में प्रायः प्रत्येक स्तर पर, जिनमें स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर भी शामिल हैं, शांति के छोटे-बड़े प्रयास निरंतर किए ही जाते रहे हैं। यदि ये प्रयास न किए गए होते तो शायद दुनिया में आरंभ हुआ कोई भी युद्ध किसी भी एक पक्ष का अस्तित्व बचे रहने तक समाप्त ही नहीं हो पाता। शांति के लिए एक ऐसा ही प्रयास संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण मामलों के कार्यालय (यूएनओडीए) द्वारा 1979 में वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'निरस्त्रीकरण सप्ताह' के रूप में आरंभ किया गया था। गौरतलब है कि उसके बाद से ही इसके अतिरिक्त यह आयोजन निरस्त्रीकरण की दिशा में दुनिया भर में हुई प्रगति का जश्न मनाने तथा परमाणु हथियार से रहित विश्व के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने का भी समय होता है। इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण सप्ताह मनाने वाले सदस्य देशों और संगठनों द्वारा सामान्यतः सभाओं, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों और सार्वजनिक रैलियों सहित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम और अन्य गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। हालांकि निरस्त्रीकरण की जिम्मेदारी दुनिया भर के सभी देशों और संगठनों की समान रूप से होनी चाहिए थी, लेकिन दुर्भाग्य से अभी तक ऐसा संभव नहीं हो पाया है। फिर भी सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र संघ को वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देने के उसके उद्देश्य में सफलता मिली है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण सप्ताह मनाने वाले सदस्य देशों और संगठनों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, जो दुनिया भर के देशों और संगठनों के निरस्त्रीकरण के प्रति बढ़ते झुकाव का प्रतीक है।

(इतिश्री)

दीपावली का लोकतंत्र

कटाक्ष

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

चिंकी, जो एक छोटी सी गिलहरी थी, अपने दोस्तों के साथ पेड़ की डाल पर बैठी हुई थी। वह उत्साहित थी क्योंकि दीपावली का त्योहार नजदीक था। तभी एक बुढ़ा कौआ, जो उनकी बातें सुन रहा था, अचानक बोला, 'कहां जा रही हो, चिंकी? बम फोड़ने, दादू!' चिंकी ने लापरवाही से जवाब दिया।

'अरे, दीपावली पर तो फोड़ने का मजा नहीं आता। एक

दिन में बम फोड़कर क्या हासिल होगा?' काले काले दादू ने कहा।

'क्यों नहीं आता, दादू? सब करते हैं!' चिंकी ने मुंह चिढ़ाते हुए कहा।

'बेटी, एक दिन में तो कुछ भी नहीं है। ये सब तो बस दिखावा है। असली मजा तो चारों ओर रोशनी में डूबने का है। अब जरा सोचो, हम कितनी बमबारी कर रहे हैं, और क्या हुआ? अगली सुबह सब सोने चले जाते हैं!' दादू ने समझाया। 'लेकिन दादू, सब तो ऐसा करते हैं। हम भी तो कुछ खास करना चाहते हैं।' चिंकी ने बोरियत से कहा।

'देखो, मेरे प्यारे, यह तो लोकतंत्र का खेल है। यहां सब अपने-अपने बम फोड़ते हैं। सबको लगता है कि अगर वे नहीं फोड़ेंगे, तो कोई उन्हें याद नहीं करेगा। समझीं?' दादू ने गंभीरता से कहा।

'क्या मतलब, दादू?' चिंकी ने आश्चर्य से पूछा।

'मतलब ये कि हर कोई अपनी मर्जी से कुछ भी कर रहा है। कभी देखो, जरा नीचे की दुनिया में क्या हो रहा है। दीयों की रोशनी में तो लोग अपने सुख-दुख को भूल जाते हैं। पर असलियत तो यह है कि हर एक बम की आवाज़ के साथ हम अपने आसपास की शांति को बर्बाद कर रहे हैं।'

'ओह, अब समझी!' चिंकी ने कहा। 'तो फिर हमें क्या करना चाहिए?'

'हमें अपने-अपने तरीके से दीपावली मनानी चाहिए। दीयों की जगमगाहट के साथ मिठाइयों का आनंद लेना चाहिए। क्यों न हम सब मिलकर एक सुंदर दीप जलाएं, जो हमारी एकता का प्रतीक हो?' दादू ने सुझाव दिया।

'हम्म, अच्छा विचार है। लेकिन यह सब बम फोड़ने से तो अलग है, दादू!'

चिंकी ने खींचते हुए कहा।

'बिल्कुल! जो सच्चे दिल से दीप जलाते हैं, वे ही असली विजेता होते हैं। यह लोकतंत्र का असली रूप है।'

'तो हम दीप जलाएंगे और बम नहीं फोड़ेंगे?' चिंकी ने उत्सुकता से पूछा।

'सही कहा, बेटा। बम फोड़ने से कोई भी संतुष्ट नहीं होता, लेकिन एक दीया जलाने से दिल की गहराई में एक सुखद एहसास होता है।' दादू ने कहा। 'तो चलो, सभी दोस्तों को बुलाते हैं और हम सब मिलकर एक बड़ा दीप जलाते हैं!' चिंकी ने खुशी से चिल्लाते हुए कहा।

'बिल्कुल सही कहा! आज हम दिखाएंगे कि सच्चा लोकतंत्र क्या होता है!' दादू ने कहा। इसके बाद, चिंकी और उसके दोस्त सभी एकत्रित हुए और एक सुंदर दीप जलाया। उन्होंने अपने आस-पास की हर चीज को सजाया और रोशनी के उत्सव का आनंद लिया। उन्होंने न केवल अपने त्योहार को मनाया, बल्कि यह भी साबित किया कि सच्चा दीपावली का मजा बम फोड़ने में नहीं, बल्कि प्यार और एकता में है।

इस तरह, चिंकी और उसके दोस्तों ने यह समझा कि दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। उन्होंने अपने बचपन की बातों को बिसरा कर एक नई दिशा में बढ़ने का फैसला किया।

कौआ एक पेड़ की शाखा पर बैठा रहा, मुस्कुराते हुए सोचता रहा, 'यही तो है असली लोकतंत्र। जहां सब एकजुट होकर अपने त्योहार को मनाते हैं, न कि बमों की आवाज़ में खोकर।' इस तरह, दीपावली का उत्सव न केवल रोशनी लाया, बल्कि एक नई सोच और एक नई पहचान भी दी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय
लेखक व्यंग्यकार हैं।

तरह - तरह की तेरस!

दिवाली के पहले मॉर्निंग वॉक के दौरान पं शिवनारायण जी घर से विभिन्न ऑफर से आहत होकर चर्चा के दौरान बोले एकमात्र तेरस ही ऐसी तिथि है जिसने धन को पकड़ा है। और वैसे भी तेरह का आंकड़ा चौंकाने वाला है। अक्सर बातों बातों में या क्रोध में सगे संबंधी, मित्र कुनबे वाले कह देते हैं कि मैं तो तेरी तेरहवीं में भी नहीं आऊंगा। इस पर जिसकी तेरहवीं होती है वह तो इस तीन तेरह को जानता भी नहीं है।

पंडित जी के इन तेरस और तेरह के द्वंद्वात्मक बयानों को सुनकर कथित तौर पर साहित्यकार बनने वाले दिनेश अशक्त जी ने धनतेरस की चर्चा करते हुए कहा कि धनतेरस धन से जुड़ी हुई तेरस है लेकिन धन तो उल्लू की सवारी पर आता जाता रहता है। और उल्लुओं को अंधेरा भाता है। लेकिन यदि कोई तेरस के आगे किताब लगाकर, किताब तेरस, का तोहफा दिवाली पर दे तो यह तेरस धन

के साथ ज्ञान धन वाली तेरस में बदल जाएगी। इस पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े सुनील भैया बोल पड़े अब तो, किताब तेरस, की जगह गूगल तेरस, लैपटॉप तेरस, मोबाइल तेरस, इंटरनेट तेरस का जमाना आ चुका है।

किताब तेरस, की तोहीन करने और लैपटॉप और इंटरनेट तेरस के बारे में बोलने पर वॉकिंग के दौरान झल्लाए साहित्यकार सजग जी अपना पसीना पूछते हुए बोले मैं तो अपने साहित्य की, किताब तेरस, के उत्सव में शामिल होना चाहता था लेकिन यह मुई किताब ऐसी है कि मैं अभी तक उसका हिसाब किताब भी नहीं कर पाया और विमोचन का संकट मोचन भी नहीं कर पाया। वह बोले यदि मैं, किताब तेरस, की जगह धनतेरस की राह पकड़ लेता तो मेरी किताब का हिसाब किताब हो जाता और मेरी किताब प्रकाशक के हिसाब किताब और विमोचन के लिए तरसती नहीं।

किताब तेरस तथा इंटरनेट तेरस पर बहस के बाद जब मैं घर पहुंचा तो श्रीमती बोल पड़ी मेरे साहित्यकार भागवान तुम हमेशा किताब तेरस, किताब तेरस की रट लगाते हो, धनतेरस पर धन के देवी देवताओं को साध लेते तो तुम्हारे लिखे गए पत्रे जो रद्दी के मोल के भी नहीं रहे किताब में बदल जाते और किताब छप जाती और उसकी तेरस मन जाती। वह बोली तुमने धनतेरस को धन की तेरस नहीं माना। जिससे किताब तेरस की तेरहवीं हो गई। घर में पति-पत्नी की बात किताबों को लेकर चली रही थी तो बीच में बेटा मिहिर आ टपका और बोला मेरे साहित्यकार कथित मुंशीजी आप धनतेरस पर धन से दूरी बनाने के कारण घर किताबें नहीं छपा सके और घर को कागजों का का कबाड़ खाना बना कर रख दिया। मेरे लेखक पिताजी किताब तेरस एक उत्सव है किताबों।

भारतीय साहित्य में वर्णित दीपोत्सव की दीप्ति

कार्तिक माह में मनाया जाने वाला पर्व दीपोत्सव अपने साथ कई कथाओं के आयतन को दर्शाता है। उसी तरह भारतीय साहित्य ने भी दीपोत्सव यानी दीपावली को पर्याप्त स्थान दिया है। राजा हर्ष के संस्कृत में लिखे नाटक 'नागानंद' में दीपावली को दीपप्रतिपादुत्सव कहा गया है। उसी तरह राजशेखर ने काव्यमीमांसा में दीपावली को दीपमालिका कहा है।

दीपावली विशेष

डॉ. अर्पण जैन 'अविचल'

लेखक पत्रकार हैं।

दीप पर्व का महात्म्य न केवल पौराणिक कथाओं में है बल्कि गौतम बुद्ध के 'अप्प दीपो भवः' से लेकर दिनकर, निराला, महादेवी, त्रिलोचन, कुबेरनाथ रॉय से चली आ रही भारतीय साहित्य परम्पराओं में भी उसी उल्लास से दर्शनीय है। अनेकता में एकता का पाठ पढ़ाती भारतीय संस्कृति की अनेक विशेषताओं में एक विशेषता यहाँ का पर्व अनुराग भी है। उल्लास और आनंद के प्रशांत महासागर-सा गहरा उत्साह विविधताओं के चलते भी अद्भुत और अलौकिक है।

कार्तिक माह में मनाया जाने वाला पर्व दीपोत्सव अपने साथ कई कथाओं के आयतन को दर्शाता है। उसी तरह भारतीय साहित्य ने भी दीपोत्सव यानी दीपावली को पर्याप्त स्थान दिया है। राजा हर्ष के संस्कृत में लिखे नाटक 'नागानंद' में दीपावली को दीपप्रतिपादुत्सव कहा गया है।उसी तरह राजशेखर ने काव्यमीमांसा में दीपावली को दीपमालिका कहा है। कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (1865-1947) रोशनी और अंधेरे पर कुछ ऐसे कहते हैं-

'पेड़ पर रात की अंधेरी में / जुगनुओं ने पड़ाव हैं डाले
या दिवाली मना चुड़ैलों ने/ आज हैं सैंकड़ो दिये बाले।'

सोहनलाल द्विवेदी की कविता 'जगमग-जगमग' में दीपावली की उजियाली का वर्णन है। हरिवंश राय बच्चन की कविता 'आज फिर से तुम बुझा दीपक जलाओ' में दीपोत्सव वर्णित है।

यही नहीं, बच्चन जी की जग प्रसिद्ध कृति मधुशाला में वे लिखते हैं कि-

'एक बरस में एक बार ही जगती होली की ज्वाला /
एक बार ही लगती बाज़ी जलती दीपों की माला,
दुनियावाले, किन्तु किसी दिन आ मदिरालय में देखो /
दिन को होली रात दिवाली रोज़ मनाती मधुशाला।'

माखनलाल चतुर्वेदी ने अपनी कविता 'दीप से दीप जले' में दिवाली की चर्चा की है। गद्य साहित्य की बात करें तो 14 वर्ष की मेहनत के बाद प्रसिद्ध बंगाली उपन्यासकार शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय की प्रमाणिक जीवनी 'आवारा मसीहा' लिखने वाले विष्णु प्रभाकर ने अपनी पहली कहानी 'दिवाली के दिन' शीर्षक से ही लिखी थी। वे कहते भी हैं कि 'मैंने लिखना शुरू किया, पहले कविता लिखी, फिर गद्य काव्य। लेकिन उनमें मन इतना रमा नहीं इसलिए कहानी लिखनी शुरू कर दी। इन सबका परिणाम अंततः दिवाली के दिन कहानी के रूप में हुआ।'

आधुनिक हिन्दी के कबीर हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ने निबन्ध आलोक पर्व में लिखा है कि दीपावली प्रकाश का पर्व है। इस दिन जिस लक्ष्मी की पूजा होती है, वह गरूड़वाहिनी है-शक्ति, सेवा और गतिशीलता उसके मुख्य गुण हैं। उनके लिए, दीपावली का पर्व आद्या शक्ति के विभिन्न रूपों के स्मरण का दिन है।

जबकि हिंदी के प्रसिद्ध ललित निबंधकार कुबेरनाथ राय अपने निबंध संग्रह 'मराल' में दिवाली को मात्र धन-समृद्धि का पर्व मानने की भ्रांति को दूर करते हुए बड़े पते की बात लिखते हैं। वे कहते हैं कि सारा उत्तर भारत इसे अर्थ की देवी माधवी या लक्ष्मी के त्योहार के रूप में ही मनाता है। तब क्या प्रकाश के जगमगाते असंख्य दीपकों की पांत अर्थ गरिमा की द्योतक है। भारत का गरीब से गरीब आदमी भी जिसका एकमात्र गौरव उसका धर्म बोध ही है, माटी का एक जोड़ा दीया अपने दरवाज़े के सामने इस दिन ज़रूर रखता है। उन दीपकों से उसका अंहकार नहीं, उसकी श्रद्धा प्रकाशित हो रही है। यह श्रद्धा उसके अन्तर्निहित मनुष्यता की गरिमा है और श्रद्धा धर्मबोध और पवित्रताबोध से जुड़ी है, अतः यह हमारे अवचेतन को धर्म-मोक्ष के मार्ग पर ठेलती है।

कविताओं, नाटकों, कहानियों में दीपोत्सव के वर्णन के साथ-साथ लगभग प्रत्येक कवि की कविता की दीपमालिका को पर्याप्त स्थान मिला है। उर्दू शायरों ने भी दीपोत्सव पर भरपूर लिखा है। चाहे फ़िराक़ गौरखपुरी हों चाहे वली दकनी।

वली दकनी ने लिखा है कि-

'तिरी जुल्फ़ों के हल्के में है यूँ नक्श-ए-रुख-ए-रोशन/
कि जैसे हिंद के भीतर लगें दीवे दिवाली में।'

फ़िराक़ ने लिखा है कि 'धरती का रस डोल रहा है दूर-दूर तक खेतों के/ लहराये वो आँचल धानी दिवाली के दीप जले।'

त्रिलोक सिंह ठकुरेला अपनी कविता में लिखते हैं कि-

'दिवाली के पर्व की, बड़ी अनोखी बात।
जगमग-जगमग हो रही, मित्र, अमा की रात।।
मित्र, अमा की रात, अनगिनत दीपक जलते।
हुआ प्रकाशित विश्व, स्वप्न आँखों में पलते।
'ठकुरेला' कविराय, बजी खुशियों की ताली।
ले सुख के भण्डार, आ गई फिर दिवाली।।

इसी तरह सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' से लेकर अज्ञेय, नागार्जुन, नरेन्द्र कोहली, राजकुमार कुम्भज, कथा साहित्य में सैंकड़ों कथाकारों ने दीपोत्सव को अपने शब्दों में चित्रित किया है।

दीप पर्व ने अपने संग साहित्य के दीपों को भी दृष्टि सम्पन्नता के साथ आँचल में स्वीकार किया है। भारतीय साहित्य के इतर भी दृष्टि विस्तारित की जाए तो विश्व साहित्य ने भी दीपावली को अपने शब्दों में जगह दी है। जैसे वर्मोंट की रहने वाली हन्ना इलियट ने बच्चों के लिए एक पुस्तक दिवाली लिखी है। ऐसी समृद्धता को समाहित करने वाले दीप पर्व की असंख्य कीर्ति रश्मियाँ जीवन को सदैव अलौकित करती रहें। साहित्य ने अपनी दृष्टि विन्यास के विपुल वैभव से दीपमालिका का अनूठा व अद्भुत गुणगान किया है। दीप पर्व मंगलमय हो, यही कामना है।

नरक चतुर्दशी -यमराज के लिए दीपदान करने का पर्व

नरक चतुर्दशी (30 अक्टूबर) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत में कार्तिक कृष्ण पक्ष में पांच पर्वों का जो विराट महोत्सव मनाया जाता है, महापर्व की उस श्रृंखला में सबसे पहले पर्व धनतेरस के बाद दूसरा पर्व आता है 'नरक चतुर्दशी'। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाए जाने वाले पर्व 'नरक चतुर्दशी' नाम में 'नरक' शब्द से ही आभास होता है कि इस पर्व का संबंध भी किसी न किसी रूप में मृत्यु अथवा यमराज से है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन यमराज का पूजन करने तथा व्रत रखने से नरक की प्राप्ति नहीं होती। दीवाली से ठीक एक दिन पहले मनाए जाने वाले इस पर्व की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है कि यह पर्व 30 अक्टूबर को मनाया जाएगा या 31 अक्टूबर को। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी 30 अक्टूबर को दोपहर 1 बजकर 15 मिनट से शुरु हो रही है और चतुर्दशी तिथि अगले दिन यानी 31 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट पर समाप्त होगी।

यम चतुर्दशी की पूजा चूंकि प्रदोष काल यानी शाम के समय ही की जाती है, इसीलिए नरक चतुर्दशी 30 अक्टूबर को ही मनाई जाएगी। इस दिन शाम 5 बजकर 30 मिनट से 7 बजकर 2 मिनट तक दीपदान का शुभ मुहूर्त है। 'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है।

यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में एक मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

914 गांवों में बहेगी नर्मदा की धारा

योजना

संदीप कुलश्रेष्ठ

उज्जैन और इंदौर जिले के 914 गाँवों के निवासियों को नर्मदा का साफ पानी मिलने का रास्ता खुल गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 1462 करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट को स्वीकृति दे दी गई है। इस परियोजना से उज्जैन जिले के 830 गाँवों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही इन्दौर जिले के 84 गाँवों के रहवासियों को भी नर्मदा का पानी मिल सकेगा। गोयला बुजुर्ग-झिरनिया में बनेगा ट्रीटमेंट प्लांट - इस महत्वपूर्ण परियोजना से उज्जैन और इंदौर जिले के ग्रामीणों को नर्मदा का पानी देने के लिए उज्जैन जिले की घट्टिया तहसील के गोयला बुजुर्ग-झिरनिया ग्राम में 103 एमएलडी क्षमता का ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जा रहा है। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर टंकी निर्माण, पाइपलाइन और पंप हाउस आदि के काम भी किए जा रहे हैं।

एजेंसी तय

इस महत्वपूर्ण परियोजना के निर्माण की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश जल निगम को दी गई है। यह नर्मदा-गंभीर समूह जलप्रदाय योजना के अन्तर्गत क्लस्टर बनाकर गाँव में पेयजल आपूर्ति करेगा। मेसर्स दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड और पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड इस प्रोजेक्ट के लिए काम कर रहे हैं। सितंबर 2025 से मिलेगा नर्मदा का पानी - परियोजना के अनुसार सितंबर 2025 में इस महत्वपूर्ण योजना का काम पूर्ण हो जायेगा और 914 गाँवों में इससे जलप्रदाय हो सकेगा। एनवीडीए से जल के लिए जरूरी आवंटन की भी व्यवस्था की जा चुकी है। एनवीडीए की नर्मदा-शिप्रा बहुउद्देशीय परियोजना की पाईप लाईन से उज्जैन में शिप्रा किनारे चिंतामन ब्रीज के पास से जल प्राप्त होगा, जिसे गंभीर डेम में छोड़ा जायेगा। यहाँ 152.55 एमएलडी क्षमता का इंटकवेल का निर्माण किया जा रहा है। गोयला बुजुर्ग-झिरनिया में बनाए जा रहे ट्रीटमेंट प्लांट से पानी गाँवों तक पहुँचाया जायेगा।

विकासखंडवार गाँवों की संख्या

इस महत्वपूर्ण परियोजना के पूर्ण होने से उज्जैन जिले के उज्जैन विकासखंड के 131 गाँव, घट्टिया के 128 गाँव, तराना के 206 गाँव, बड़नगर के 189 गाँव और खाचरोद विकासखंड के 176 गाँवों को नर्मदा का पानी मिलेगा। इसी प्रकार इन्दौर जिले के देपालपुर विकासखंड के 82 और सांवेर के 2 गाँवों को भी नर्मदा का पानी मिल सकेगा। इस प्रकार उज्जैन-इन्दौर जिले के कुल 914 गाँव नर्मदा का पानी प्राप्त कर अपने गाँव की पेयजल समस्या दूर कर सकेंगे।

समुद्र-मंथन से अवतरित लक्ष्मी के रूप में समाई प्रकृति

दीप पर्व पर विशेष

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

समुद्र-मंथन के दौरान जिस स्थल से कल्पवृक्ष और अप्सराएं मिलीं, उसी के निकट से महालक्ष्मी मिलीं। ये लक्ष्मी अनुपम सुंदरी थीं, इसलिए इन्हें भगवती लक्ष्मी कहा गया है। श्रीमद् भागवत में लिखा है कि 'अनिंद्य सुंदरी लक्ष्मी ने अपने सौंदर्य, औदार्य, यौवन, रंग, रूप और महिमा से सबका चित्त अपनी ओर खींच लिया।' देव-असुर सभी ने गुहार लगाई कि लक्ष्मी हमें मिलें। स्वयं इंद्र अपने हाथों पर उठाकर एक अद्भुत व अनूठा आसन लक्ष्मी को बैठने के लिए ले आए। उनकी कटि बहुत पतली थी। वक्षस्थल परस्पर सटे व उभरे हुए थे। उन पर चंदन और केसर का लेप लगा था। जब वे चलती थीं, तो उनकी पायजेब से मधुर ध्वनि प्रस्फुटित होती थी। ऐसे में ऐसा लगता था, मानो कोई सोने की लता इधर-उधर घूम रही है। इस लक्ष्मी को विष्णु ने अपने पास रख लिया।'

समुद्र-मंथन में लक्ष्मी मिलीं, इसे हम यूं भी ले सकते हैं कि लक्ष्मी के मायने धन-संपदा या सोने-चांदी की विपुलता से भी होता है। समुद्र-मंथन के क्रम में जब देव-दानव समुद्र पार कर गए तो सबसे पहले हिरण्यकशिपु दैत्य को सोने की खदान मिली थी। इसे हिरकेनिया स्वर्ण-खान आज भी कहा जाता है। इस खदान पर वर्चस्व के लिए भी देव और असुरों में विवाद व संग्राम छिड़ा था। अंततः हिरण्यकशिपु का इस पर अधिकार माना गया, क्योंकि इसे ही यह खान दिखाई दी थी। इसे यूं भी कह सकते हैं, कि इस सोने की खान को खोजने में हिरणयकशिपु की ही प्रमुख भूमिका रही थी।

दरअसल लक्ष्मी के विलक्षण रूप का वर्णन प्रकृति के रहस्यों से भी जुड़े हैं। वैसे तो देवी लक्ष्मी के अनेक रूप हैं, परंतु उनका सर्वाधिक प्रचलित रूप वह है, जिसमें देवी पूर्ण रूप से खिले हुए पद्म-प्रसून पर अविचल मुद्रा में बैठी हुई हैं। उनके दोनों हाथों में नालयुक्त कमल हैं। साथ ही उनके दोनों तरफ कमल-पुष्प पर ही दो हाथी अपनी ऊपर उठाई सूंडों में घड़े लिए हुए लक्ष्मी का जल से अभिषेक कर रहे हैं। लक्ष्मी के इस रूप और इससे भिन्न रूपों का कौतुक-वृत्तांत रामायण से लेकर अधिकांश पुराणों में अंकित है। इन लक्ष्मी का जलाभिषेक करते गजों से घनिष्ठ संबंध है। जब देवों ने असुरों के साथ मिलकर सागर-मंथन किया तो उसमें से चौदह प्रकार के रत्नों की प्राप्ती हुई। इन्हीं रत्नों में ऐरावत नाम का हाथी और लक्ष्मी भी थीं। समुद्र-मंथन से उत्पन्न होने के कारण लक्ष्मी और गज का जन्मजात संबंध स्वाभाविक है। लक्ष्मी को पृथ्वी के प्रतीक के रूप में भी माना गया है। इस नाते उन्हें भूदेवी भी कहा जाता है। वैसे भी विष्णु की दो पत्नियां थीं। एक लक्ष्मी और दूसरी पत्नी श्रीदेवी हैं। यजुर्देव में कहा भी गया है,

'श्रीश्च ने लक्ष्मी श्रीश्च पतन्यो।'

भूदेवी होने के कारण लक्ष्मी पृथ्वी की प्रतीक हैं। इस नाते गज जलद अर्थात् मेघों के प्रतीक हैं। इसीलिए वर्षा पूर्व बादलों के गरजने की क्रिया को मेघ-गर्जना कहा जाता है। जब तक धरती पर बादल बरसते नहीं हैं, तब तक फसलों के रूप में अन्न-धान्य पैदा नहीं होते हैं। लक्ष्मी का जल से अभिषेक करते गजों का प्रतीक भी यही है कि गज बरसकर पृथ्वी को अभिसिंचित कर रहे हैं, जिससे पृथ्वी से सृजन संभव हो सके। इस कारण लक्ष्मी को सृजन की देवी भी कहा जाता है।

सौभाग्य लक्ष्मी को उपनिषद में 'सकल भुवन माता' कहा गया है। सृजन अर्थात सृष्टि माता-पिता दोनों के संसर्ग से संभव है। अस्तु लक्ष्मी मातृशक्ति की और गज पितृशक्ति के प्रतीक हैं। गज को पुरुषार्थ का प्रतीक भी माना गया है। गोया, लक्ष्मी और गगन के समतुल्य गज संसार के माता-पिता माने जा सकते हैं। गज दिशाओं के प्रतीक भी हैं, इसलिए इन्हें दिग्गज भी कहा जाता है। इस कारण वे राज्य की चतुर्दिक सीमाओं के भी प्रतीक हैं। वैसे भी पुरातन काल में जो चतुरंगी सेनाएं हुआ करती थीं, उनमें गज-सेना भी होती थी, जो सीमांत प्रांतरों में चारों दिशाओं में तैनात रहती थी।

कमल पर आरूढ़ लक्ष्मी से कमल का गहरा व आत्मीय रिश्ता है। सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा स्वयं कमलभव हैं, जो भगवान विष्णु की नाभि से प्रस्फुटित कमल पर ही

विराजमान हैं। इसी कारण विष्णु को 'पद्मनाभ' और 'पद्माक्षी' कहा गया है। कमल पर बैठी होने के कारण लक्ष्मी को 'कमला' भी कहा जाता है। कमल की यह विशेषता है कि वह कीचड़ में पैदा होने के पश्चात भी स्वच्छ है, स्वछंद है एवं निर्मल है। जल में जीवन-यापन करते हुए भी वह निर्लिप्त है। अनेक पांखुरियों से युक्त व खिला होते हुए भी वह एकात्मता का द्योतक है। कमल की जड़, नाल, पंखुड़ियां व बीज सब मानव उपयोगी हैं, इसलिए कमल को समष्टिगत गुणों वाले पुश्पों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। व्यष्टि में समष्टि का समन्वयात्मक संदेश देता हुआ कमल लोकमंगल का आवाहन कराता है, इसलिए ऋषि-मुनियों ने कमल को सांस्कृतिक प्रधानता व सर्वोच्चता की पहचान से निरुपित किया है।

लक्ष्मी का जल से अभिषेक करते हुए कलश, पूर्ण-कलष अर्थात् लोक मंगलकारी कलशों के प्रतीक हैं। जल जीवन का आरंभिक उद्गम स्थल होने के साथ, जीवन का प्रमुख आधार भी है। जल से ही पद्म उत्पन्न हुआ है और पद्म से ब्रह्मा और ब्रह्मा से संपूर्ण सृष्टि। इसी कारण कलश को हिरण्यगर्भ की संज्ञा से विभूषित किया गया है। कलश के संदर्भ में सांस्कृतिक मान्यता है कि इसमें त्रिदेव अर्थात् ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास है। कलश के मुख पर ब्रह्मा, ग्रीवा में शिव और मूल में विष्णु तथा मध्य में मातृगणों का निवास होता है। अर्थात् ये सभी देव-गण कलश में प्रतिष्ठित होकर किसी मांगलिक कार्य को सकारात्मक गति देने का काम करते हैं। इस कारण कलश भी लक्ष्मी के समान ही सृष्टि और महाशक्ति का प्रतीक माना गया है।

मूर्ख और अशुभ का प्रतीक माने जाने के बावजूद उल्लू धन की देवी भगवती का वाहन है। हालांकि ऋग्वेद के श्री-सूक्त में वैभव की देवी लक्ष्मी की विस्तार से चर्चा है, लेकिन इस वृत्तांत में उल्लू को लक्ष्मी के वाहन के रूप में कहीं नहीं दर्शाया गया है। समुद्र-मंथन से लक्ष्मी तो प्रकट हुईं, लेकिन उल्लू के प्रकट होने का विवरण नहीं है। कहते हैं कि जब लक्ष्मी को धन की देवी के रूप में प्रतिष्ठा मिल गई, तो उनकी स्थान-स्थान पर पूजा होने लग गई। इस कारण उन्हें अलग वाहन की आवश्यकता अनुभव होने लगी। उन्हें भगवान विष्णु के व्यस्त रहने के कारण भी अपने उपासकों के पास जाने में विलंब होने लगा। ऐसे में लक्ष्मी के लिए ऐसे वाहन की खोज शुरू हुई, जो विष्णु के वाहन गरुड़ की तुलना में उड़ान भरने में दक्ष तो हो ही, रात में भी उड़ान भरने में समर्थ हो। क्योंकि लक्ष्मी के भक्त धन-वैभव की पूजा रात्रिकाल में ही दीपों की रोशनी में करते हैं। अब हम सब जानते ही हैं कि जीव-जगत के अधिकांश प्राणी रात में आहार-भक्षण के बाद निद्रा में लीन हो जाते हैं। केवल उल्लू ही रात में जागता है और आहार के लिए शिकार को भटकता है। गोया, निषाचर उल्लू रात में विचरण करने के कारण लक्ष्मी के वाहन के रूप में उपयुक्त ठहरा दिए गए और उल्लू लक्ष्मी के वाहन के रूप में उपयोग में आने लग गए। इन वृत्तांतों से भगवती लक्ष्मी के प्रकृति से जुड़े रूप का स्पष्ट आभास होता है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित शिकायत निवारण शिविर

30 से अधिक शिकायतों का किया समाधान

बैतूल। पुलिस अधीक्षक कार्यालय बैतूल में मंगलवार को जनसुनवाई के उद्देश्य से एक विशेष शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी एवं अजाक थाना प्रभारी विजय सिंह ठाकुर द्वारा विभिन्न प्रकार की शिकायतों का समाधान किया गया। शिविर के दौरान बैतूल जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आए लगभग 30 से अधिक शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याओं का समाधान पाया। प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनने और समझने के बाद, तत्काल निराकरण की प्रक्रिया अपनाई गई ताकि शिकायतकर्ताओं को त्वरित राहत मिल सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और जनसामान्य की समस्याओं का यथासंभव त्वरित समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसे शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा ताकि जिले के लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए सक्षम मंच प्राप्त हो। जनसुनवाई शिविर के इस आयोजन से उपस्थित शिकायतकर्ताओं में संतोष और विश्वास का माहौल देखने को मिला, जो पुलिस प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को और सशक्त करता है।

त्योहारों पर ट्रेनों में होने वाली अत्यधिक भीड़ को नियंत्रित करने आरपीएफ ने की उचित व्यवस्था

बैतूल। मध्य रेलवे नागपुर के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त मनोज कुमार एवं सहायक सुरक्षा आयुक्त कुमार कुरूप के निर्देश पर रेलवे पुलिस फोर्स (आरपीएफ) थाना बैतूल के निरीक्षक राजेश बनकर ने दीपावली और छठ पर्व को लेकर ट्रेनों में होने वाली अत्यधिक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैतूल स्टेशन पर यात्रियों के लिए उचित व्यवस्था बनाई है। निरीक्षक राजेश बनकर ने बताया कि आरपीएफ का अमला आने जाने वाली ट्रेनों का सूक्ष्म निरीक्षण कर यह देख चेक रहा है की, कोई यात्री चोरी छुपे ज्वलनशील पदार्थ का परिवहन तो नहीं कर रहा। चेकिंग के दौरान आरपीएफ स्वान एवं हेड मेटल डिटेक्टर का उपयोग किया जा रहा है। यात्रियों की सुगम यात्रा को लेकर अनाउंसमेंट सिस्टम एवं नेक बैंड से जागरूक किया जा रहा है कि, कोई भी यात्री विस्फोटक सामान के साथ यात्रा नही करें, अवैध वेंडर से खाने पीने की वस्तुएं नही खरीदे। उन्होंने बताया कि यात्रियों को समझाइश दी जा रही है कि अनावश्यक रूप से खतरे की जंजीर नहीं खींचे। पायदान पर बैठकर यात्रा नही करे। पैदल आने-जाने के लिए यात्री पुलो का इस्तेमाल करें सहित अन्य मामलों की जानकारी यात्रियों को देकर उन्हें जागरूक किया जा रहा हैं।आपातकालीन घटना घटित होने की संभावना के चलते क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का गठन किया गया है। आरपीएफ निरीक्षक राजेश बनकर ने यात्रियों की सफल और सुगम यात्रा की कामना की हैं।

जिले की सभी 51 आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थाओं में किया औषधियों का वितरण

- आयुर्वेदिक जिला चिकित्सालय टिकारी में 110 लाभार्थियों ने प्राप्त किया नि:शुल्क औषधियों का लाभ

बैतूल। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत, संचालनालय आयुष मध्य प्रदेश भोपाल के आदेशानुसार, बैतूल में नवम आयुर्वेद दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर योगेश चौकीकर के नेतृत्व में 29 अक्टूबर को शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय, टिकारी में किया गया। इस अवसर पर निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आयुर्वेद पद्धति से औषधियों का वितरण किया गया। शिविर का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बारस्कर, नगर पालिका उपाध्यक्ष महेश राठौर, और कृष्णपुरा वार्ड पार्षद तरुण ठाकरे की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। शिविर में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रक्ताल्पता, वात रोग, जोड़ों के दर्द, ज्वर, त्वचा रोग, नाक-कान-गले के रोग और दंत रोग जैसे विभिन्न बीमारियों की चिकित्सा की गई। शिविर में कुल 110 लाभार्थियों ने औषधियों का लाभ प्राप्त किया। शिविर में डॉक्टर रीना चौकीकर, डॉक्टर नरेंद्र डडोरे (आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी), श्री प्रदीप भारद्वाज, श्री तुलसी कुमार, श्रीमती ललिता विश्वकर्मा, श्रीमती किरण पटने (कंपाउंडर) और समस्त स्टाफ ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस नवम आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में जिले की सभी 51 आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थाओं में भगवान धन्वंतरि का पूजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। सभी संस्थाओं ने शिविर का आयोजन कर ग्रामीण रोगियों को औषधियों का वितरण किया। संस्थाओं के प्रभारी ने गणमान्य नागरिकों, सरपंचों, जनपद अध्यक्षों और जनपद सदस्यों को निमंत्रण दिया, और सभी की उपस्थिति में ये शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

शहर के बाजार रहे ग्राहकों से गुलजार, जमकर हुई खरीदी

धनतेरस पर बाजारों में आया बूम, लाखों-करोड़ों का व्यापार

संजय द्विवेदी, बैतूल। दीप के महापर्व दीपावली की शुरुआत आज मंगलवार धनतेरस से हो गई। धनतेरस पर बाजार में खरीदारी करने के लिए लोगों की भारी भीड़ रही। लोगों ने सराफा बाजार, बर्तन, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक सामान, ऑटोमोबाइल सेक्टर में जमकर खरीदारी की। जिससे धनतेरस पर करोड़ों रुपए का कारोबार हुआ है। शहर के कोठीबाजार और गंज क्षेत्र में खरीदारी करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। धनतेरस को लेकर सुबह से ही बाजार सज गए थे, आने वालों का सिलसिला शुरू हो गया था। दोपहर बाद तो बाजार में लोगों की खासी भीड़ रही, जहां लोगों में त्यौहार को लेकर गजब का उत्साह था। सबसे ज्यादा आभूषण और बर्तन की दुकानों पर भीड़ रही। हर कोई धनतेरस के मौके पर कुछ न कुछ खरीद लेना चाहता था। बाजार में खील बताशे की दुकानें भी सज गई थीं। अच्छी खरीदारी होने के बाद दुकान संचालकों ने भी राहत की सांस ली है। सबसे ज्यादा भीड़ सराफा बाजार, बर्तन, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल, ऑटोमोबाइल सेक्टर में देखने को मिली। बाजार में धनतेरस और दीपावली पर्व को देखते हुए मिट्टी के दीए भी बिकने के लिए आए है। यहां मिट्टी के दीए की जमकर खरीदारी हुई।

सराफा बाजार में भी करोड़ों की ज्वेलरी की खरीदारी: धनतेरस के मौके पर ज्वेलरी खरीदना भी शुभ माना जाता है। खरीदारी करने के लिए सराफा बाजार में ग्राहकों की भारी भीड़ रही। धनतेरस के दिन सोने-चांदी के दामों में बढ़ोत्तरी हो गई है। इसके बावजूद भी ग्राहकी अच्छी देखने को मिली है। कोठीबाजार क्षेत्र के प्रसिद्ध मामाजी ज्वेलर्स, मरोठी ज्वेलर्स, पगारिया ज्वेलर्स, धनश्री ज्वेलर्स सहित अन्य ज्वेलर्स दुकानों पर ज्यादा ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली है। देर शाम तक बाजार में खरीददारी होते रही। सोना-चांदी की दुकानों में करोड़ों रुपए का कारोबार हुआ है। अच्छी खरीदारी होने से ज्वेलर्स दुकान संचालकों ने भी राहत की सांस ली है।

ऑटोमोबाइल सेक्टर में जमकर खरीदारी : धनतेरस के मौके पर ऑटोमोबाइल सेक्टर में लाखों-करोड़ों कारोबार हुआ है। धनतेरस के दिन बड़ी संख्या में दो पहिया वाहनों की खरीददारी हुई है। गंज स्थित खंडेलवाल ऑटोमोबाइल हीरो शोरूम, ओम शक्ति टीवीएस शोरूम और आदित्य होण्डा शोरूम में वाहनों की खरीदारी करने के लिए ग्राहकों की भीड़ लगी रही। शोरूम संचालकों का कहना है कि इस वर्ष ऑटोमोबाइल सेक्टर में पिछले वर्ष की अपेक्षा अच्छी खरीदारी हुई है। धनतेरस के लिए कई लोगों ने पहले से ही दो पहिया वाहनों की बुकिंग कर ली है। बुकिंग इसलिए की जाती है कि कई बार ग्राहकों की मनपसंद कलर की गाड़ी उन्हें उपलब्ध नहीं हो पाती है, इसलिए वे पहले से ही बुकिंग कर लेते है. देखने में आता है कि धनतेरस के मौके पर सबसे ज्यादा वाहनों की खरीददारी होती है। शोरूम संचालकों ने दीपावली तक दो पहिया वाहनों की अच्छी खरीदारी होने की उम्मीद लगाई है।

सुरक्षा के लिए पुलिस थी मुस्तैद: कोठीबाजार सीमेंट रोड एवं गंज बाजार में धनतेरस पर खरीदारी करने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा के इंतजार कड़े किए थे। पुलिस कर्मियों ने कोठी बाजार क्षेत्र में जगह-जगह बेरीकेट्स लगाकर यातायात व्यवस्था बनाई। चौपहिया वाहनों को बाजार में प्रवेश नहीं करने दिया, हालांकि दोपहिया वाहनों की एंट्री के चलते सीमेंट रोड की यातायात व्यवस्था बिगड़ गई थी, लेकिन यातायात पुलिस की मोटर साइकिल टीम ने निरंतर निगरानी की। वाहन चालकों को गाड़ी व्यवस्थित खड़ा करने और सडक़ पर ज्यादा देर वाहन न रोकने के लिए समझाईश दी गई। पुलिस कर्मी यातायात व्यवस्था पूरे समय बनाते रहे। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

सजावटी सामानों की भी जमकर खरीदारी

दीपावली त्योहार में लोग घरों को सजाते है। पर्व को देखते हुए बाजार में सजावट की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ लगी रही। कोठीबाजार और गंज क्षेत्र में दीपावली के मौके पर सजावट के लिए आर्टिफिशियल फूल, मालाएं ग्राहकों की पसंद बनी है। एलईडी लाइट, वंदनवार बिकने के लिए आई है। इलेक्ट्रॉनिक, सजावट, मिठाई, कपड़ा, पटाखा सहित अन्य दुकानों में भीड़ थी। इस बार पिछले वर्ष की तुलना कई वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं। इसके बावजूद लोगों ने जमकर खरीदारी की। यही उम्मीद थी कि महंगाई के कारण खरीदारी पर असर पड़ेगा, लेकिन इसके उलट असर देखने को मिला। धनतेरस पर लोग बाजारों में पहुंचे और जमकर खरीदी की। जिससे बाजार ग्राहकों से गुलजार रहे।

वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहित करते अधिकारियों ने पथ विक्रेताओं से की दीपावली की खरीदारी

मिट्टी के दीपक, मूर्तियां, साज सज्जा एवं पूजन की सामग्रियां खरीदी

बैतूल। मुख्यमंत्री की मंशानुरूप वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहित करते हुए बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ने मंगलवार सायं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैतूल नगर के नेहरू पार्क पहुंचकर यहां पथ विक्रेताओं से धनतेरस एवं दीपावली पर्व के लिए जमकर खरीदारी की। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने पथ विक्रेताओं से चर्चा कर उनकी कुशल क्षेम पूछी।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि सभी व्यक्ति आनंद और उत्साह से दीपावली का पर्व मनाएं। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में पथ विक्रेताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसका नगर पालिका, जनपद एवं अन्य अधिकारी ध्यान रखें। इस दौरान पथ विक्रेताओं ने बाजार शुल्क से मुक्ति दिलाने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और जिला प्रशासन का आभार माना। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, वन मंडल अधिकारी वरुण यादव, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सहित अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने खरीदारी की। अधिकारियों ने पथ विक्रेताओं से मिट्टी के दीपक, मां लक्ष्मी की प्रतिमा, साज सज्जा एवं पूजन की अन्य सामग्रियां खरीदी। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि दीपावली पर्व के लिए जिले के ग्रामीणों एवं माटीकला शिल्पियों द्वारा मिट्टी के दिये (दीपक) बनाये जाते हैं तथा इन्हें इस त्योहार पर विक्रय हेतु बाजारों एवं हाटों में लाया जाता है। मिट्टी के दीपक पर्यावरण की दृष्टि से उपयुक्त होने के साथ-साथ स्थानीय उत्पाद लोकल शिल्प आर्ट भी हैं जिन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

भाजपा के राज में शहर की सड़कों की स्थिति अत्यंत जर्जर : निलय डागा

सड़कें खस्ताहाल, जनता हो रही परेशान

बैतूल। त्यौहारों के पूर्व सडक़ों की मरम्मत कार्य पूरा नहीं किया गया। ऐसे में लोगों को सडक़ पर गड्ढे और धूल के कारण परेशान होना पड़ रहा है। सडक़ पर गड्ढों की वजह से सबसे ज्यादा वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसे लेकर पूर्व विधायक निलय डागा ने आरोप लगाया है कि सडक़ों की बदहाली को देखकर शहरवासी खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं, जबकि प्रशासन की उदासीनता ने उनकी नाराजगी को और बढ़ा दिया है। कांग्रेस नेता पूर्व विधायक निलय डागा ने आरोप लगाया है कि भाजपा के राज में शहर की सडक़ों की स्थिति अत्यंत जर्जर हो गई है। नगर पालिका ने सडक़ मरम्मत का काम अधूरा छोड़ दिया, जिसकी वजह से जनता धूल-मिट्टी से भरपूर सडक़ों पर चलने को मजबूर है। गड्ढों में फंसते वाहन, उड़ती धूल और उखड़े पेचवर्क से वाहन चालक परेशान है। गंज, कोठी बाजार में पेचवर्क उखड़ गया है। गड्ढों से सडक़ों पर लोगों का चलना मुश्किल हो गया है।

सडक़ों की हालत बारिश के बाद और भी खराब हो गई है। ग्राहक दुकानों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कोतवाली मार्ग पर उड़ती धूल से लोग परेशान हो रहे हैं। छोटे-बड़े वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। श्री डागा ने कहा कि प्रशासन को जब तक सडक़ों की मरम्मत नहीं होती, तब तक नियमित रूप से पानी का छिडक़ाव किया जाना चाहिए, ताकि धूल से राहत मिल सके।

बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल बने भाजपा के सक्रिय सदस्य

भाजपा जिला अध्यक्ष ने दिलाई सक्रिय सदस्यता

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान संगठन पर्व के बाद सक्रिय सदस्य बनाने का अभियान शुरू हो गया है। इस अभियान के तहत मंगलवार को बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल की सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण कर उन्हें भाजपा का सक्रिय सदस्य बनाया गया। बैतूल विधायक कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला नें मंगलवार को बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल को भाजपा की सक्रिय सदस्यता दिलवाई । इस मौके पर पूर्व बैतूल भाजपा जिला अध्यक्ष एवं सक्रिय सदस्यता के बैतूल जिला प्रभारी बसंत बाबा माकोड़े,कोठी बाजार मंडल अध्यक्ष विक्रम वैद्य,गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान संगठन पर्व के तहत 29 अक्टूबर तक बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल नें अपनी रेफरल आई.डी. से 12 हजार 787 लोगों को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता दिलवाई है।

ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में आयुर्वेद को अपनाने की शपथ के साथ मनाया आयुर्वेद दिवस

धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि का किया हवन-पूजन

बैतूल। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में आयुर्वेद को अपनाने की शपथ के साथ नौवा आयुर्वेद दिवस मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विरेन्द्र के. शाह ने बताया कि धनतेरस पर धनवन्तरि का हवन-पूजन किया गया। इस अवसर पर ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल तथा आरोग्य भारती के संयुक्त तत्वाधान में पंच परिवर्तन के कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष अनिल दुबे ने आरोग्य भारती में प्राकृतिक जीवन शैली, विभिन्न आयाम, पर्यावरण, मधुमेह प्रबंधक, जीवन शैली, जड़ी बूटी चिकित्सा पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने संस्था के बारे में बताया कि पूरे देश में आरोग्य के लिये कार्य कर रही है। डॉ. शैलेन्द्र सोनी ने आरोग्य भारती के आयाम एवं पंचभूत के बारे में विद्यार्थीयों को विस्तृत रूप से बताया। इसके अन्तर्गत भारतीय नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी जीवन शैली, सामाजिक समरता, कुटुम्ब प्रबोधन तथा पर्यावरण संरक्षण विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। इस कार्यक्रम में आरोग्य मित्र मध्यप्रान्त प्रशिक्षण प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सोनी, अरोग्य भारती जिला एवं विभाग संयोजक बैतूल श्री अनिल कुमार दुबे, आरोग्य भारती, वेदांश सोनी, रिवांश सोनी सहित आरोग्य भारती के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

एसडीएम ने मंडी अधिकारियों-कर्मचारियों की बैठक लेकर दिये निर्देश

- मंडी में अव्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर ने जताई नाराजगी, किया निरीक्षण

बैतूल। कृषि उपज मंडी बडोरा में उपज की आवक बढ़ते ही अव्यवस्थाएं नजर आने लगी है। इन अव्यवस्थाओं के कारण किसान परेशान है। लगातार शिकायतों के बाद रविवार रात्रि जिला कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ने मंडी का औचक निरीक्षण किया। दरअसल रविवार रात्रि में मंडी के गेट पर ताला लगा दिया गया था, जिससे किसानों के उपज से भरे वाहन सडक़ पर ही खड़े हुए थे। किसानों ने अव्यवस्थाओं की शिकायत कलेक्टर से की, तो वे रात में ही मंडी पहुंच गए। सोमवार को मंडी प्रशासक एवं एसडीएम राजीव कहार राजस्व की टीम के साथ कृषि उपज मंडी बडोरा पहुंचे। इस दौरान किसानों और व्यापारियों से भी उन्होंने बात की। एसडीएम को मंडी में व्याप्त अव्यवस्थाओं की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने तत्काल ही मंडी के अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए और उनकी बैठक ली। बैठक में मंडी परिसर में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर बिंदुवार चर्चा की गई। इस मौके पर तहसीलदार श्यामसिंह उइके, मंडी सचिव शीला खातरकर, राजस्व निरीक्षक जितेंद्र पंवार, पटवारी राजिक खान, योगेश पारखे और मंडी के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। एसडीएम ने बताया कि रविवार को मंडी प्रांगण में व्यापारियों के द्वारा खरीदा गया अनाज रखा था, जिसे उठाने के लिए गेट बंद कर दिए गए थे। जिसके चलते किसानों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा और उनके माल वाहक वाहन मंडी परिसर के बाहर खड़े हो गए थे, जिसके चलते जाम लग गया था।

ट्रकों को ज्यादा देर तक मंडी परिसर में न रोके: एसडीएम ने ऐसी स्थिति दोबारा निर्मित ना हो इसको लेकर मंडी सचिव और स्टाफ को सख्त निर्देश दिए गए हैं। व्यापारियों का अनाज ट्रांसपोर्ट करने के लिए जो ट्रक आते हैं वो ज्यादा देर तक मंडी परिसर में ना रोके जाएं और सिर्फ उन्हीं ट्रकों को अंदर व आने दिया जाए, जिनका अनाज तत्काल उठाना है। साथ ही एसडीएम ने इस बात है का भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये कि जो किसान अनाज बेचने के लिए मंडी आ रहे हैं, उनको किसी भी तरह की असुविधा ना हो। मंडी में व्यवस्था बनाये और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इस बात का विशेष ध्यान दे।

जनसुनवाई में आये 44 आवेदन

नरसिंहपुर। कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के जनसुनवाई हाल में मंगलवार 29 अक्टूबर को जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों ने कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले को अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये। कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण कराया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह व अन्य अधिकारियों ने भी लोगों की समस्यायें सुनी, आवेदन लिए और समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिये। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 44 आवेदन आये।

वंश मुंबई में करेगा योग प्रदर्शन

नरसिंहपुर। कक्षा 9वीं नेहरू हाई स्कूल का छात्र एवं नरेन्द्र भंडारी का पुत्र वंश भंडारी अंतर शालेय प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त कर अब मप्र टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। मुंबई में आयोजित योग अंतर राज्यीय अंडर 17 वर्ष की प्रतियोगिता में वंश के चयनित होने पर हर्ष व्याप्त है। अति सामान्य परिवार से आने वाले इस बालक ने पूरे प्रदेश में जिले का नाम रोशन किया है। योग जगत के अनेक लोगों ने उसे बधाईयां दी हैं।

मप्र स्थापना दिवस समारोह के सफल एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए सीईओ जिला पंचायत नोडल अधिकारी नियुक्त

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक के परिपेक्ष्य में सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार 30 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक मध्यप्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश व रूपरेखा जारी की है। शासन से जारी निर्देशानुसार कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिला स्तर पर समारोह के सफल एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरसिंहपुर श्री दलीप कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के कार्यक्रम के संबंध में आवश्यकतानुसार अधिकारी/ कर्मचारी के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा आदेश जारी किये जावेंगे।

खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर लिये गये नमूने

नरसिंहपुर। दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा जिले में निर्माताओं व विक्रेताओं के यहां जांच कर विभिन्न प्रकार की दूध एवं मावा से बनी मिठाईयों एवं अन्य खाद्य सामग्रियों के नमूने लेकर भोपाल भेजने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा दूध एवं मावा से बनाई गई मिठाईयों, नमकीन, मावा, घी, पनीर, दही, छेने के रसगुल्ले और अन्य मिठाईयों के कुल 100 से अधिक नमूने लेकर जांच वास्ते राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा यह कार्यवाही निरंतर की जा रही है। विक्रेताओं एवं निर्माताओं को निर्देशित किया गया है कि मिलावटी खाद्य सामग्री का विक्रय करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2025 के संबंध में दी जानकारी

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने फोटायुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2025 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी व अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह,राजनैतिक दलों से डॉ. हरगोविंद पटेल, श्री अमितेन्द्र नारोलिया, श्री लाल सिंह गौतम, एड. लक्ष्मी नायक, शब्बर उस्मानी, श्री तरूण रजक, अन्य राजनैतिक दलों के पदाधिकारी और संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि 29 अक्टूबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया है। इसी दिन से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, वोटर आईडी कार्ड में संशोधन कराने और मृत मतदाताओं के नाम हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह प्रक्रिया 28 नवम्बर 2024 तक चलेगी। आगामी 9, 10 एवं 16 व 17 नवम्बर को विशेष कैम्प लगाकर अभियान चलाया जायेगा। जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर कार्यालयीन समय में बीएलओ मौजूद रहेंगे। प्राप्त सभी दावे- आपत्तियों का निराकरण 24 नवम्बर तक किया जोयगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी 2025 को किया जायेगा।

डिसेंट स्पोर्ट्स एकेडमी ने हिंदू वात्सल्य आश्रम में बच्चों संग मनाई दीपावली

धार। हर बार की तरह हम दिपावली पर नाना प्रकार की खुशियां मनाते हैं , बच्चे ,बुजुर्ग, बड़े सभी मिलकर नए कपड़े खरीदते हैं परिवार के साथ दीपावली मनाते हैं ।बचपन से लेकर , बड़े होने तक धूम धड़ाके से हम दिवाली मनाते हैं मंदिर जाते हैं और बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं । किंतु मानव का एक ऐसा भी तबका है जो खुशियों के इंतजार मे रहता है ।वह कभी किसी से कुछ नहीं मांगते तथा त्योहारों पर जो अपनों का इंतजार करते हैं । दुनिया मे सैकड़ों लोग मिल जाएंगे जिन्हें आपका थोड़ा सा साथ चाहिए, दीपावली पर उन्हें कुछ वक्त चाहिए ,उनका मुंह मीठा होना चाहिए बस इतने भर से उनकी दीपावली मन जाएगी ,उनकी खुशी से जो सुकून मिलता है वह जिंदगी भर के लिए यादगार बन जाता

है ।कुछ ऐसा ही पल संजोया धार की डिसेंट स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष सचिन बाफना ने । शहर से कुछ दूरी पर स्थित आनन्द हिन्दु वात्सल आश्रम पीपलखेड़ा पहुंच कर वहां के बच्चों को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ड्राई फ्रूट, कपड़े ओर मिठाइयां ,चॉकलेट तथा कपड़े वितरित कर फटाके जलाकर उनके साथ दीपावली मनाई । इस पल को महसूस कर उपस्थित बच्चे खुशी से भावुक हो गये और उन्होंने एक ऐसे अनुभव को महसूस जो अपने भी नहीं दे सकते । इस अवसर पर समिति के मंथन बाफना,मिस्टी बाफना, काव्य सिसोदिया ,अरुण यादव , प्रतीक निगम , यूनुस शैख़ ,केतन कुछेकर रोहन व्यास , दुर्गेश रायकवार आदि उपस्थित थे । जानकारी सचिन बाफना ने दी।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस पर विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

रन फॉर यूनिटी को विधायक ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बैतूल। लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने के लिए शासन से प्राप्त निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं खेल और युवा कल्याण विभाग के समन्वय से 29 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हुआ। स्थानीय मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम पर श्रीमती पूजा कुरील जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी के समन्वय से रन फॉर यूनिटी का आयोजन हुआ,जिसमें मुख्य अतिथि विधायक विधानसभा क्षेत्र बैतूल हेमन्त खण्डेलवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य समाजसेवी, भूतपूर्व सैनिक, अतिथियों के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। विधायक श्री खंडेलवाल नें सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को एक करने के लिए किये गये कार्यो का विवेचना की सरदार पटेल को याद करके हम उनके संघर्षों को याद किया। श्री खंडेलवाल ने सरदार पटेल द्वारा भारत की एकता के लिए किये गये संघर्षों से अवगत कराया एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को भी याद करते हुए युवाओं को सरदार पटेल से प्रेरणा लेने हेतु प्रोत्साहित किया। श्री खंडेलवाल ने उपस्थिति सभी अतिथियों खिलाड़ियों, वरिष्ठ खिलाड़ियों , कार्यालय स्टाफ को बधाई दी।

विधायक श्री खंडेलवाल द्वारा एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एकता दौड शहर के मुख्य मार्गो से होकर मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम पर समाप्त हुई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन राम नारायण शुक्ला नें किया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित गतिविधियों के सफल आयोजन में प्रदीप खंडेलवाल अध्यक्ष सीए एसोसिएशन, महेश गुंजेले, सुशील उदयपुरे, धनंजय सिंह ठाकुर, नेहरू युवा केन्द्र(माय भारत) अशोक रघुवंशी, गजेन्द्र केन प्रभारी यातायात थाना बैतूल उपस्थित रहे। विभाग की ओर से समस्त प्रशिक्षक एवं युवा समन्वयकों एवं कार्यालय स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। श्रीमती पूजा कुरील जिला खेल अधिकारी द्वारा एकता दिवस पर एकता की शपथ दिलाई गई।

सम्पदा 2.0 से पहला दस्तावेज़ शेख अजीम को मिला

सुबह सवेरे सोहागपुर । प्रदेश शासन जनता-जनार्दन को सुविधा देने को नित्य नए आयाम करवा रही है। इसी संदर्भ में आज मंगलवार को मध्यप्रदेश शासन के पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग नई व्यवस्था सम्पदा 2.0 से नजूल पट्टा नवकरण प्रारंभ की गई। इस नवीन व्यवस्था में प्रथम दस्तावेज़ संपादित किया गया। जिसमें प्रथम नजूल पट्टा में पक्षकार शेख अजीम वल्द शेख बाबू निवासी अम्बेडकर वार्ड सोहागपुर को प्राप्त हुआ।

यह दस्तावेज़ अधिकृत सर्विस प्रोवाइडर प्रीति प्रांजल तिवारी तथा ऑपरेटर कामेश साहू द्वारा निष्पादित पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय सोहागपुर में किया गया। उक्त आश्य की जानकारी उप पंजीयन श्री हितेंद्र ठाकुर ने सुबह सवेरे प्रतिनिधि को दी।

प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना का हुआ शुभारंभ

- 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को मिलेगा मुफ्त इलाज

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वृद्धजनों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत शामिल किये जाने का शुभारंभ किया। इसके अलावा उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की यूविन पोर्टल सहित अनेक डिजीटल नवाचारों का भी शुभारंभ मंगलवार को किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्चुअली प्रदेश के मंदसौर, नीमच व सिवनी में 3 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का लोकार्पण, शिवपुरी, रतलाम, खंडवा, राजगढ़ व मंदसौर में 5 शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय व मानसिक आरोग्यशाला ग्वालियर के उन्नयन के कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सिवनी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए। उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शासकीय जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर के परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम को जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों- कर्मचारियों व नागरिकों ने देखा व सुना।

आरा मशीन की त्वरित कार्रवाई के लिए विशेष दल गठित करना चाहिए : मधुकर चतुर्वेदी

नर्मदापुरम। वनमण्डलाधिकारी नर्मदापुरम के निर्देशों के पालन में गत दिनों अवैध वनोपज के व्यापार पर नियंत्रण के लिए सोहागपुर में चौधरी आरा मशीन के निरीक्षण के लिए पहुंचे सोहागपुर वन परिक्षेत्र के निरीक्षण दल से आरा मशीन संचालकों द्वारा दुर्व्यवहार किए जाकर चेकिंग नहीं करने दी गई। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी डीएफओ नर्मदापुरम को किए जाने से कर्मचारियों के विरोध में अब राजनैतिक दल द्वारा विभागीय कर्मचारियों का विरोध करके विभागीय कर्मचारियों का हतोत्साहित कर रहे है जिससे सुरक्षा में उनका मनोबल कम हो जाएगा.. वन विभाग अमले के साथ घटित इस घटना की निन्दा करते हुए संरक्षक वन कर्मचारी संघ नर्मदा पुरम के संरक्षक मधुकर चतुर्वेदी ने अपनी प्रतिक्रिया जारी की है उन्होंने कहा कि मशीन संचालकों द्वारा निरिक्षण दल को निरीक्षण करने से रोका जाना दाल में काला अवश्य होगा बताया गया है। उन्होंने आगे कहा कि किसी जमाने में होशंगाबाद उत्कृष्ट वन क्षेत्र में जाना जाता था। किंतु अवैध कटाई चिराई से मालामाल हुए सागौन व्यापारी रसूखदार बन गए है। श्री चतुर्वेदी ने कहा कि विभागीय अधिकारी कर्मचारियों को चाहिए की वो बिना डरे वनों की रक्षा करे। साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सोहागपुर के आरा मिल मालिक के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही कर आरा मशीन का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की मांग की है। श्री चतुर्वेदी ने विभाग प्रमुख को भेजे अपने निवेदन में शासकीय कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करने वालो के विरुद्ध 353, ढ्ढक्क की धारा के अंतर्गत कार्यवाही की मांग की है। इसके अलावा आरा मशीनों की त्वरित तलाशी हेतु विशेष दल बनाकर चेकिंग अभियान की आवश्यकता की मांग वरिष्ठ अधिकारियों से की है। गौरतलब है कि पूर्व में विभागीय अधिकारियों की निष्क्रियता और उनकी संलिप्तता के कारण उत्तर बैतूल की डीएफओ के दल द्वारा पिपरिया में पकड़े गए मामले डीएफओ अजय पांडे द्वारा दफन किए जा चुके हैं।

वुडन व फर्नीचर क्लस्टर की स्थापना होने से जिले में लगभग 100 से अधिक औद्योगिक इकाइयों की होगी स्थापना

- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 2000 लोगों को मिलेगा रोजगार

बैतूल। जिले में प्रदेश शासन की बहुआयामी 'एक जिला एक उत्पाद' योजनांतर्गत ग्राम कढ़ाई जिला बैतूल में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग अंतर्गत राज्य क्लस्टर विकास योजना के तहत् वुडन एवं फर्नीचर क्लस्टर का निर्माण किया जा रहा है। वुडन एवं फर्नीचर क्लस्टर की स्थापना होने के पश्चात् जिले में लगभग 100 से अधिक औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाएगी जिसमें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 2000 लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र रोहित डावर ने बताया कि उक्त क्लस्टर के निर्माण के लिए जिला स्तरीय नजूल निर्वतन समिति के द्वारा कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, बैतूल को खसरा क. 187/1/2, 187/1/3 कुल 20 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई हैं।

उक्त भूमि पर अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा न्यायालय जबलपुर में रिट पिटीशन 2 26286 2024 दायर की गई थी, जिसमें उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा अपने निर्णय दिनांक 25 सितंबर के द्वारा अतिक्रमणकर्ता द्वारा स्वयं की भूमि होने के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के कारण याचिका खारिज की गई है। प्रकरण में जिला प्रशासन द्वारा समस्त कार्यवाही नियमानुसार की गई है, जिससे कि आगामी समय में नियमानुसार बैतूल जिले का औद्योगिक विकास किया जा सके तथा मध्यप्रदेश शासन की नीति अनुसार जिले में उद्योगों की स्थापना कर निवेश को आकर्षित किया जा सके, तथा रोजगार का सृजन किया जा सकें।

बारह खंभा मेला की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर-एसपी ने ली बैठक

सीहोर (निप्र)। इछावर के ग्राम देवपुरा में आगामी 02 नवंबर को आयोजित होने वाले बारह खंबा मेला क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इस मेले में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है। इस मेले में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह एवं एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने मेले की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को मेले के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी श्री शुक्ला ने मंदिर परिसर तथा बारह खंभा मेला स्थल का निरीक्षण भी किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मेले में लगने वाले झूलों की मजबूती की जांच पहले ही कर ली जाए ताकि मेले के दौरान किसी प्रकार की कोई दुर्घटना न हो। कलेक्टर श्री सिंह ने मेला क्षेत्र में यातायात प्रबंधन, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, चिकित्सा सेवाएं और आवासीय सुविधाओं की सुचारू व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें।

रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नरसिंहपुर। लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने के लिए शासन से प्राप्त निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं खेल और युवा कल्याण विभाग के समन्वय से मंगलवार को प्रातः 7 बजे हॉकी स्टेडियम पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन हुआ। श्री सुनील कोठारी द्वारा एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एकता दौड़ शहर के मुख्य मार्गो से होकर हॉकी स्टेडियम पर समाप्त हुई। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी श्रीमती सुनीता यादव, स्टॉफ, खिलाड़ी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

कलेक्टर ने दिलाई राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथः कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कलेक्ट्रेट में नवीन जनसुनवाई हॉल में राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। विदित है कि राष्ट्रीय एकता दिवस भारत के लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटैल के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना से मजबूती प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

पुलिस अधिकारी- कर्मचारियों को दिलाई पुलिस अधीक्षक ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथः राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाएं रखने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधिकारी- कर्मचारियों को शपथ दिलाई। इसी प्रकार जिले के समस्त थानों एवं कार्यालयों में भी शपथ दिलाई गई। इस दौरान जिले के सभी एसडीओपी, रक्षित केन्द्र एवं अन्य शाखाओं के कार्यालयों में सभी अधिकारी- कर्मचारियों को शपथ दिलायी गयी है। इसी कड़ी में होमगार्ड ऑफिस में भी स्टॉफ को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई।

68वीं राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता के संबंध में कंट्रोल रूम समिति का गठन

नरसिंहपुर। राज्य शासन के लोक शिक्षण संचालनालय भापोल द्वारा 17 वर्षीय बालक/ बालिका आयु वर्ग में राज्य स्तरीय 68 वीं शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के रूद्र मैदान गाडरवारा में 3 से 6 नवम्बर तक किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में राज्य स्तर के सभी संभागों के प्रतिभागी खिलाड़ी एवं ऑफीशियल्स भाग लेंगे। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कंट्रोल रूम समिति का गठन किया है। जारी आदेश के अनुसार कंट्रोल रूम शासकीय आदर्श उमावि गाडरवारा के कार्यालय में स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम के लिए प्राचार्य शास. आदर्श उमावि गाडरवारा श्री एसके मिश्रा को नोडल अधिकारी व प्रभारी प्राचार्य शास. हाई स्कूल डुंगरिया श्री देवेन्द्र पगारे को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी प्राचार्य श्री मिश्रा का मोबाइल नम्बर 7000229349 और सहायक नोडल अधिकारी प्रभारी प्राचार्य श्री पगारे का मोबाइल नम्बर 9826817478 है। इसके अलावा अन्य कर्मचारियों की भी ड्यूटी निश्चित समय के लिए लगाई गई है। कंट्रोल रूम में प्रातः 8 बजे से शाम 4 बजे तक सह प्रभारी के रूप में प्रभारी प्राचार्य शासकीय उमावि पलोहाबड़ा श्री जीएल झरबड़े का मोबाइल नम्बर 9827257352, सदस्य के रूप में उच्चतर माध्यमिक शिक्षक सीएम राइज स्कूल चीचली श्री भूपेश ठाकुर का मोबाइल नम्बर 9826665428 और सहयोगी के रूप में भृत्य शासकीय आदर्श उमावि गाडरवारा श्री मनोज वर्मा का मोबाइल नम्बर 8989905309, की ड्यूटी लगाई गई है।

इसी तरह कंट्रोल रूम में शाम 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक सह प्रभारी के रूप में प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल भटेरा श्री एके गुबरेले का मोबाइल नम्बर 889972250 व सदस्य के रूप में उच्चतर माध्यमिक शिक्षक शासकीय हाई स्कूल कठोतिया श्री उत्तम वर्मा का मोबाइल नम्बर 8839442563 और सहयोगी के रूप में भृत्य शासकीय आदर्श उमावि गाडरवारा श्री शिवम साहू मोबाइल नम्बर 7000296535, की ड्यूटी लगाई गई है। कंट्रोल रूम में रात्रि 12 बजे से प्रातः 8 बजे तक के लिए सह प्रभारी के रूप में प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल आड़ेगांवकला श्री अनुज पवार का मोबाइल नम्बर 7898153957 व सदस्य के रूप में प्राथमिक शिक्षक प्राथमिक शाला बोदरी श्री पंकज स्थापक का मोबाइल नम्बर 9926609525 और सहयोगी के रूप में भृत्यु शासकीय आदर्श उमावि गाडरवारा श्री संदीप श्रीवास का मोबाइल नम्बर 7489320243, की ड्यूटी लगाई गई है।

दीपावली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे ही चला सकेंगे

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आदित्य सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2)(3) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दीपावली पर्व पर 31 अक्टूबर को रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक दो घण्टे के लिये केवल ग्रीन पटाखों के उपयोग करने की अनुमति संबंधी आदेश जारी किये है। शेष समय पटाखों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध जिला हरदा की शहरी क्षेत्र की सीमा में लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय एवं नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की भोपाल बेंच द्वारा भी पूर्व में आदेश जारी किये गये है। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश अनुसार ध्वनि मानक स्तर 125 डीबी से ज्यादा शोर उत्पन्न करने वाले एवं लड़ी अर्थात जुड़े हुये पटाखे चलाने पर पूर्व से ही प्रतिबंध लगाया गया है।

हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक

सीएम ने देर रात सस्पेंड किए 11 अधिकारी-कर्मचारी

- बिजली कंपनी के जीएम निलंबित, तीन जिलों के कलेक्टरों को फटकारा

भोपाल (नप्र)। समाधान ऑनलाइन की समीक्षा बैठक में सोमवार देर रात सीएम डॉ. मोहन यादव ने अफसरों की जमकर क्लास लगाई। सीएम ने शिकायत के बाद 11 अफसर-कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया। रायसेन जिले में एक व्यक्ति ने बिजली बिल में गड़बड़ी की शिकायत की थी। इस पर सीएम ने बिजली वितरण कंपनी के जनरल मैनेजर को निलंबित कर दिया। खंडवा जिले में एक लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं होने की शिकायत हुई थी। सीएम को अफसरों को बताया कि उपनिरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है। एसडीओपी-टीआई को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जांच एएसपी करेंगे। बेटी को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में इस प्रकार के केस के निराकरण के लिए अभियान चलाएं। झाबुआ में कपिलधारा कूप निर्माण योजना में भुगतान में देरी पर पंचायत सचिव को निलंबित किया गया। सीईओ व लेखाधिकारी को कारण बताओ नोटिस दिया गया।

कलेक्टरों की क्लास, बोले- प्रशासन के मुखिया हो, साइड में क्यों बैठे हो?

वीसी के दौरान बालाघाट कलेक्टर को बीच में न बैठा देखकर सीएम ने फटकार लगाई। वीसी में पहले आईजी और डीआईजी बैठे थे। इस पर सीएम ने कहा- बीच में कौन बैठा है? आईजी को हटाओ और बीच में आप बैठो। प्रशासनिक अधिकारी आप हो। समय पर छात्रवृत्ति न बांटने पर सीएम ने अशोकनगर कलेक्टर को फटकार लगाई। आलीराजपुर कलेक्टर से सीएम ने पूछा कि निःशक्त जन मामले का क्या हुआ? कलेक्टर समझाने लगे तो सीएम ने कहा- ज्यादा मत बोलो। जितना बोलोगे, उतना फंसोगे। वहीं, सामाजिक न्याय विभाग की प्रमुख सचिव से कहा- दूसरों की भी सुन लिया करो। आप बस बोलती जा रही हो।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में चार हाथियों की मौत, 4 गंभीर

- जहरीला पदार्थ खाने या खिलाने का शक ; झुंड में शामिल 7 हाथियों की निगरानी

उमरिया (नप्र)। उमरिया के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मंगलवार को चार जंगली हाथियों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। वहीं, चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना मंगलवार शाम करीब 4 बजे खितौली रेंज के सलखनियां के जंगल की है। जानकारी मिलने के बाद टाइगर रिजर्व की टीम मौके पर पहुंची। आशंका है कि हाथियों ने कोई जहरीला पदार्थ खाया या उन्हें खिलाया गया है। शाम करीब 4 बजे सूचना मिली कि जंगल में 13 हाथियों का झुंड घूम रहा था। इनमें आठ हाथियों की तबीयत बिगड़ गई। मौके पर आठों हाथी बेहोश होकर गिर गए। इस पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से डॉक्टरों का दल और अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच के बाद डॉक्टरों ने चार हाथियों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, चार हाथियों की हालत गंभीर बताई। वन अमला झुंड में शामिल 5 हाथियों की निगरानी भी कर रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के जंगल में हाथियों की मौत के बाद अधिकारी पहुंच गए थे।

डॉक्टर बोले- जहरीला पदार्थ खाने से हुई मौत

इस मामले में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का कोई अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। डॉक्टरों का मानना है कि हाथियों ने कोई जहरीला पदार्थ खाया है। आशंका ये भी है कि किसी ने उन्हें जहरीला पदार्थ खिला दिया हो। अधिकारी इस एंगल से भी जांच कर रहे हैं।

कटनी जेल का बंदी जबलपुर मेडिकल कॉलेज से फरार

- डेंगू होने पर भर्ती हुआ था, टॉयलेट से भाग निकला ; 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

जबलपुर (नप्र)। कटली जेल का विचाराधीन कैदी जबलपुर के सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज से मंगलवार को भाग गया। बंदी यहां डेंगू होने पर भर्ती था। सुरक्षा में लगे 4 पुलिसकर्मियों को चकमा देकर वह टॉयलेट से भाग निकला। ड्यूटी में लापरवाही पर चारों पुलिसकर्मियों को कटनी एसपी ने सस्पेंड कर दिया है। छोटू भूमिया उर्फ संतू (21) दहेज हत्या के मामले में कटनी जेल में बंद था। उसे 2022 में गिरफ्तार किया गया था। डेंगू होने पर 25 अक्टूबर को उसे कटनी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर 26 अक्टूबर को जबलपुर मेडिकल कॉलेज लाकर भर्ती कराया गया। आज हवालाती बंदी संतु की सुरक्षा में तैनात रक्षित केंद्र कटनी के आरक्षक अमित सिंह उसे टॉयलेट के लिए ले गए। उसने अंदर से टॉयलेट का गेट लगाया और बाजू वाले इमरजेंसी गेट से भाग निकला। पहले तो सुरक्षाकर्मियों ने उसकी तलाश की, नहीं मिलने पर गढ़ा थाने (जबलपुर) में जानकारी दी।

69 दीप जलाकर मनाएंगे मप्र का स्थापना दिवस

शहरों में फूटेंगे पटाखे, बंटेंगी मिठाइयां, जेलों में सुरक्षा के लिए हर पल होगी निगरानी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के 69वें स्थापना दिवस पर सरकारी इमारतों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर 69 दीप जलाए जाएंगे। भोपाल में जिला प्रशासन की ओर से रविन्द्र भवन में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उधर जेलों में विशेष सुरक्षा बरतने के निर्देश भी शासन ने दिए हैं। भोपाल में आठ साल पहले दीपावली की रात हुई कॉन्स्टेबल की हत्या और कैदियों की फरारी के चलते यह सतर्कता बरती जा रही है। जेल विभाग के सीनियर अफसरों की छुट्टी 4 नवम्बर तक के लिए कैंसिल कर दी गई है। स्थापना दिवस और दीपावली के कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सरकार ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए हैं। यह कार्यक्रम आज से शुरू हो जाएंगे। इसमें कहा गया है कि कलेक्टर और जनप्रतिनिधि निर्माण श्रमिकों के बच्चों को मिठाई और पटाखे देने का काम करेंगे।

स्थापना दिवस पर ये कार्यक्रम होंगे

प्रदेश के स्थापना दिवस पर संस्कृति विभाग की ओर से एक नवम्बर को अमृत मध्यप्रदेश के अंतर्गत समवेत नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। यह प्रस्तुति प्रदेश की सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विशिष्टता पर आधारित होगी। नाटिका में अनेक पावन स्थलों के महत्व को भी प्रदर्शित किया जाएगा। शिखर सम्मान से अलंकृत चंद्रमाधव बारिक ने इस नृत्य नाटिका का निर्देशन किया है। प्रस्तुति में 108 कलाकार हिस्सा लेंगे। लोकमाता अहिल्या देवी को समर्पित महेश्वर घाट की थीम पर कार्यक्रम का आकल्पन किया जा रहा है। सुगम संगीत के अंतर्गत गायक और संगीतकार अंकित तिवारी कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई पर निर्मित प्रोजेक्ट खूब लड़ी मर्दानी के लिए संगीत देने वाले तिवारी ने अनेक हिंदी फिल्मों में भी संगीत दिया है।

स्थापना दिवस के अवसर पर होंगे गोवर्धन पूजा के कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दीपावली के दूसरे दिन भारत की प्राचीन परम्परा के अनुसार गोवर्धन पूजा होती है। गोवर्धन पूजा व्यक्तिगत स्तर के साथ ही संस्थागत स्तर पर भी की जा सकती है। गोशालाओं में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से गौ-पूजन कार्यक्रम होंगे। उन्होंने कहा है कि गोवर्धन पूजा के कार्यक्रमों के लिए प्रशासनिक अमला भी सक्रिय रहे।

1 करोड़ 47 लाख के नोटों से सजा महालक्ष्मी मंदिर

श्रद्धा ऐसी कि लाखों देकर जाते हैं भक्त, आज तक एक रुपए का हेरफेर नहीं

रतलाम (नप्र)। रतलाम के महालक्ष्मी मंदिर में देशी-विदेशी नोट और आभूषणों के साथ माता के दर्शन होंगे। मंदिर का कोना-कोना नकदी और जेवरात से सजाया गया है। भारत का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां दीपावली पर्व पर करोड़ों रुपए के साथ ही आभूषणों से सजावट की जाती है। ये रुपए और आभूषण भक्तों द्वारा दिए जाते हैं। दीपावली पर्व के समापन पर भाईदूज के दिन प्रसादी के रुपए में भक्तों को उनके नोट और आभूषण लौटा दिए जाते हैं। अभी तक मंदिर में 1 करोड़ 47 लाख रुपए की गिनती हो चुकी है जबकि आभूषणों का अनुमान लगाया जा रहा है कि वह 3 करोड़ से ज्यादा के हैं। रतलाम के माणक चौक स्थित इस मंदिर में नोटों और आभूषणों से सजावट की शुरुआत इस बार शरद पूर्णिमा पर 14 अक्टूबर से हुई थी। मंदिर में भक्त निःशुल्क सेवा भी देते हैं। कोई नोटों की लड़िया बनाता है तो कोई नोट लेकर आने वाले श्रद्धालुओं की इंट्री करता है। कुछ भक्त दिन से लेकर रात तक सजावट में लगे रहते हैं।

1 से लेकर 500 रुपए तक के नोटों से सजावट

1 रुपए से लेकर 20, 50, 100 और 500 रुपए के नए नोटों से मंदिर को सजाया जाता है। सजावट के लिए रतलाम के अलावा मंदसौर, नीमच, इंदौर, उज्जैन, नागदा, खंडवा, देवास समेत राजस्थान के कोटा से आए भक्तों ने अपनी श्रद्धानुसार राशि जमा कराई है। महालक्ष्मी के कई भक्त तो ऐसे भी हैं, जो एक साथ 5 लाख रुपए तक मंदिर में रखकर जाते हैं। श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले नोटों से मंदिर के लिए वंदनवार बनाया जाता है। महालक्ष्मी का आकर्षक श्रृंगार कर गर्भगृह को खजाने के रूप में सजाया जाता है। मंदिर परिसर कुबेर के खजाने के रूप में दिखाई देता है। भक्त अपने घरों की तिजोरी तक मंदिर में सजावट के लिए रख जाते हैं। 500 के नोटों की लड़ियां और वंदनवार बनाकर गर्भगृह को सजाया गया था।

रजिस्टर में एंट्री कर टोकन दिया जाता है

मंदिर में सजावट के लिए दिए जाने वाले रुपयों में आज तक हेरफेर नहीं हुआ है। नगदी और आभूषण देने वाले भक्तों का नाम, पता और मोबाइल नंबर एक रजिस्टर में लिखा जाता है। देने वाले का पासपोर्ट फोटो नाम के आगे चिपकाया जाता है। राशि लिखकर एक टोकन दिया जाता है। इसी टोकन को देखकर रुपए या आभूषण लौटाए जाते हैं।

पांच दिन तक संपदा माता लक्ष्मी के हवाले

महालक्ष्मी मंदिर में गणेश, लक्ष्मी और सरस्वती माता की प्रतिमाएं हैं। लक्ष्मी की मूर्ति के हाथ में धन की थैली रखी है, जो वैभव का प्रतीक है। मान्यता है कि करीब 200 वर्ष पूर्व राजा रतन सिंह कुल देवी के रूप में माता का पूजन करते थे। राजा वैभव, निरोगी काया और प्रजा की खुशहाली के लिए पांच दिन तक अपनी संपदा मंदिर में रखकर आराधना कराते थे। तभी से ये परंपरा चली आ रही है।

महाकाल मंदिर में धनतेरस पर महापूजा

पंचामृत अभिषेक के बाद बाबा को चांदी का सिक्का अर्पित; सांदीपनि आश्रम में कुबेर के दर्शन करने लगी भीड़

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में दिवाली पर्व की शुरुआत सबसे पहले भगवान महाकाल के आंगन से हुई। 5 दिवसीय त्योहार के पहले दिन मंगलवार को कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा ने महाकालेश्वर मंदिर में परंपरानुसार धन तेरस की पूजा की। 22 पुजारी-पुरोहितों ने बाबा महाकाल के साथ कुबेर और चांदी के सिक्कों का पूजन-अभिषेक कराया। महाकाल को चांदी का सिक्का अर्पित किया गया। वहीं, उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में भी श्रद्धालु कुबेर के दर्शन करने पहुंचे। महाकालेश्वर मंदिर में धन तेरस पर परंपरागत महा पूजन कर दिवाली पर्व की शुरुआत की गई।

महाकाल का पंचामृत और रुद्र अभिषेक

मंदिर के नंदी हॉल में पुरोहित समिति के पुजारियों ने सुबह करीब 9 बजे वैभव, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना कर महाकाल की महा पूजा शुरू कराई। यह करीब एक घंटे चली। पुरोहित समिति के सदस्य लोकेश व्यास ने बताया कि जन कल्याण, विश्व कल्याण के लिए गणपति पूजन, महालक्ष्मी पूजन के बाद भगवान महाकाल का पंचामृत और रुद्र अभिषेक पूजन किया जाता है। देश में सबसे पहले 31 अक्टूबर को महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में दिवाली मनाई जाएगी। इस दिन पुजारी परिवार की महिलाएं बाबा को उबटन लगाएंगी। महाकाल का अद्भुत श्रृंगार होगा। गर्भगृह में अन्न कूट का भोग लगाया जाएगा। शाम को कोटि तीर्थ कुंड में दीप मालाएं सजाई जाएंगी।

मनाया जाएगा पांच दिनी पर्व

धनतेरस के एक दिन पहले सोमवार शाम को पं. आशीष पुजारी ने फुलझड़ी से भगवान महाकाल की आरती की। गर्भगृह में दीपक जलाए गए। देशभर में त्योहार-पर्व को सबसे पहले महाकाल मंदिर में मनाने की परंपरा है। मंदिर पुरोहित समिति के सदस्य लोकेश व्यास ने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर में ग्वालियर पचांग के अनुसार पर्व मनाए जाते हैं।

दीये-फूल पत्ती बेचने वालों से नहीं होगी शुल्क वसूली

एमपी में शहरों के बाद अब पंचायतों के लिए भी आदेश जारी

भोपाल (नप्र)। म.प्र.में दीये, दीपमालाएं, फूल पत्ती, प्रसाद, फुलझड़ी, रंगोली, सजावट के अन्य सामान बेचने वालों से कोई शुल्क नहीं वसूला जाएगा। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिला पंचायत सीईओ को किसी भी तरह का कोई शुल्क नहीं लेने के आदेश दिए हैं। साथ ही कारोबार के लिए पंचायत की ओर से इंतजाम कराने को कहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास के आदेश में कहा-दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में 29 अक्टूबर से 11 नवंबर (ग्यारस पर्व) तक यह आदेश प्रभावशील रहेगा। प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतें पथ विक्रेताओं और आम नागरिकों की सुविधा के लिए बाजारों की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगी।

अब शहरी-ग्रामीण इलाकों में दोनों जगह मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रेहड़ी पटरी पर कारोबार करने वालों से ही दीये और अन्य सामग्री खरीदने के लिए आग्रह किया था। उन्होंने खुद भी भोपाल में दीये और सामग्री की खरीदी फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों से की है। इसके अलावा चित्रकूट प्रवास के दौरान भी उन्होंने इसे बढ़ावा देने के लिए कुछ सामग्री खरीदी थी। इसके बाद नगरीय विकास विभाग ने सोमवार को इसी तरह का आदेश जारी किया था और आज पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने भी इसके आदेश जारी कर दिए। इसमें रेहड़ी पर व्यवसाय करने वाले, फुटपाथ पर बिक्री करने वाले, छोटे व्यवसायियों, ग्रामीण कारीगरों एवं गरीब महिलाओं को अपना सामान बेचने में आसानी होगी।

धनतेरस सबके जीवन में खुशहाली और संपन्नता लेकर आए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने सबके आरोग्य की कामना के साथ धन्वंतरि जयंती पर किया पूजन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धनतेरस पर्व पर निवास में धन्वंतरि पूजा कर दिन की शुरुआत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान धनवंतरि को समर्पित धनतेरस पर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि, धन-धान्य एवं आरोग्य की कामना की तथा सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने टीटी नगर स्टेडियम भोपाल में मिट्टी के दीये और लक्ष्मी व गणेश की मूर्ति की खरीदारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में लिखा है कि 'यह पर्व सभी के जीवन में खुशहाली व संपन्नता लेकर आए तथा सबके यश एवं वैभव में निरंतर वृद्धि होती रहे, माता लक्ष्मी और भगवान धन्वन्तरि से यही प्रार्थना है।'